5 नवम्बर 2026

गुरूवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



मधुबनी हत्याकांड के आरोपी फरार एएसआई की तलाश में पैतृक गांव चिलहरी में छापेमारी

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

खबरें फटाफट

अभिषेक बनर्जी के संसदीय क्षेत्र में पार्टी ऑफिस पर छापा

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर के सरिषा इलाके में पार्टी के एक कार्यालय से पुलिस ने एक करोड़ दो लाख 79 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, यह रकम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक सुमित राय से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर बरामद की गई। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी रकम पार्टी कार्यालय में क्यों रखी गई थी और इसका स्रोत क्या है। उल्लेखनीय है कि अभिषेक बनर्जी डायमंड हार्बर से टीएमसी के सांसद हैं। डायमंड हार्बर पुलिस ने मंगलवार रात सरिषा स्थित तृणमूल के एक कार्यालय में तलाशी अभियान चलाया।

दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने की पाबंदी पर अदालत सख्त

नई दिल्ली। देश में दो से ज्यादा बच्चे होने पर पंचायत चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानूनों की जरूरत पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर सवाल उठाए हैं। अदालत ने कहा है कि बदलती जनसंख्या और घटती जन्म दर के कारण ऐसे कानून अब अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं। पहले इन कानूनों के पीछे बढ़ती आबादी को रोकने का तर्क दिया जाता था, लेकिन पिछले कुछ दशकों में देश की स्थिति बदल गई है। भारत की कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर वर्ष 2003 में 3.0 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब ऐसे कानूनों पर दोबारा विचार करने का समय आ गया है। अदालत ने इस मामले को बड़ी पीठ के पास भेज दिया है, ताकि 2003 में दिए गए अपने फैसले पर फिर से विचार किया जा सके। इस फैसले का असर उन लोगों पर भी पड़ सकता है, जिन्हें दो से अधिक बच्चे होने के कारण चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित किया गया है।

भारत को दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए : प्रधानमंत्री मोदी

- **केंद्र सरकार ने लिथियम और निकेल के प्रसंस्करण के लिए 2,814 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी**
- **पांच साल में चार संयंत्र लगाए जाएंगे और कंपनियों को 30 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी मिलेगी**



एजेंसी। नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक गाड़ियां, मोबाइल, बैटरी और रक्षा उपकरणों का भविष्य उन खनिजों पर निर्भर है, जिनकी जरूरत तेजी से बढ़ रही है। इनमें लिथियम, निकेल और कोबाल्ट जैसे खनिज सबसे अहम हैं। भारत में इन खनिजों की जरूरत तो बढ़ रही है, लेकिन इन्हें साफ करके उपयोग लायक बनाने के लिए देश अब भी दूसरे देशों पर काफी निर्भर है। ऐसे में सवाल है कि क्या भारत भविष्य की तकनीक के लिए जरूरी संसाधनों के मामले में आत्मनिर्भर बन पाएगा? केंद्र सरकार ने इसी दिशा में बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए 2,814 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। इसका नाम ह्यमहत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत सहायता योजनाह्न रखा गया है। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच साल के लिए लागू होगी। इसके तहत देश में लिथियम और निकेल के प्रसंस्करण के लिए चार संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। सरकार का मकसद इन खनिजों को देश में ही साफ करके उच्च गुणवत्ता वाले पदार्थों में बदलना है, ताकि आयात पर निर्भरता घटे और भारत भविष्य की तकनीक बनाने की अपनी क्षमता बढ़ा सके।

भारत को लिथियम, निकेल और कोबाल्ट की जरूरत

लिथियम, निकेल और कोबाल्ट ऐसे खनिज हैं, जिनका इस्तेमाल कई आधुनिक तकनीकों में होता है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी बनाने में इनकी अहम भूमिका है। इसके अलावा मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, ऊर्जा भंडारण प्रणाली, रक्षा क्षेत्र और विशेष प्रकार के इस्पात के निर्माण में भी इनकी जरूरत पड़ती है। आने वाले समय में इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी की मांग बढ़ने के साथ इन खनिजों का महत्व भी बढ़ेगा। फिलहाल भारत में इनका प्रसंस्करण करने की क्षमता सीमित है। कच्चे खनिजों को उपयोग लायक बनाने के लिए जरूरी तकनीक, बड़ी पूंजी और कच्चे माल की उपलब्धता भी चुनौती बनी हुई है। इसलिए सरकार देश के भीतर ही प्रसंस्करण की पूरी व्यवस्था विकसित करना चाहती है।

योजना के तहत संयंत्र लगाए जाएंगे

इस योजना के तहत कुल चार प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इनमें दो संयंत्र लिथियम और दो निकेल के लिए होंगे। प्रत्येक लिथियम संयंत्र की न्यूनतम क्षमता 30 हजार टन और प्रत्येक निकेल संयंत्र की न्यूनतम क्षमता 50 हजार टन रखी गई है। सरकार पात्र निवेश पर 30 प्रतिशत पूंजीगत सब्सिडी देगी। हालांकि, लिथियम संयंत्र लगाने वाले प्रत्येक लाभार्थी को अधिकतम 500 करोड़ रुपये और निकेल संयंत्र लगाने वाले प्रत्येक लाभार्थी को अधिकतम 900 करोड़ रुपये की सहायता ही मिलेगी। इस तरह सरकार निजी निवेश को प्रोत्साहित करके देश में प्रसंस्करण की नई क्षमता तैयार करना चाहती है।

दुनिया के 95 प्रतिशत से अधिक इंटरनेट ट्रैफिक और वित्तीय लेनदेन का बड़ा हिस्सा समुद्र के नीचे मौजूद इन केबलों से होकर गुजरता

समुद्र में सिर्फ जहाजों की सुरक्षा काफी नहीं : राजनाथ सिंह



- **भारत को जहाजों और समुद्री व्यापारिक रास्तों के साथ पानी के नीचे बिछी इंटरनेट केबल, तेल-गैस ठिकानों और बंदरगाहों की भी सुरक्षा करनी होगी**

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली में बुधवार को भारतीय हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद (आईपीआरडी) को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समुद्री सुरक्षा को लेकर भारत की रणनीति में बड़े बदलाव की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि अब समुद्र में सिर्फ जहाजों और व्यापारिक रास्तों की सुरक्षा पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। समुद्र के भीतर बिछी इंटरनेट केबल, बंदरगाह, तेल और गैस के ठिकाने भी देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम हैं। इन पर हमला या किसी तरह की रुकावट देश की आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में भारत को समुद्र के भीतर और सतह पर होने वाली हर गतिविधि पर नजर रखने की मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि समुद्री व्यापार के रास्तों की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन इसके साथ बंदरगाहों, समुद्र के नीचे बिछी संचार केबल और ऊर्जा से जुड़े ठिकानों को भी सुरक्षित रखना होगा। उन्होंने जोर दिया कि देश को यह समझने की क्षमता विकसित करनी होगी कि उसके समुद्री क्षेत्र में क्या हो रहा है। खतरे सिर्फ दूसरे देशों की नौसेना या सैन्य गतिविधियों से नहीं आते। समुद्री डकैती, तस्करी, अवैध मछली पकड़ने, साइबर हमलों और प्राकृतिक आपदाओं से भी समुद्री सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इसलिए बदलते हालात के हिसाब से समुद्री सुरक्षा की समझ और निगरानी व्यवस्था को भी बदलना होगा।

पानी के नीचे बिछी इंटरनेट केबल महत्वपूर्ण

समुद्र के नीचे बिछी फाइबर ऑप्टिक केबल दुनिया के संचार तंत्र की रीढ़ हैं। इनके जरिए इंटरनेट और डिजिटल सूचनाओं का बड़ा हिस्सा एक देश से दूसरे देश तक पहुंचता है। इन केबलों के जरिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेनदेन और इंटरनेट सेवाएं भी चलती हैं। दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया के 95 प्रतिशत से अधिक इंटरनेट ट्रैफिक और वित्तीय लेनदेन का बड़ा हिस्सा समुद्र के नीचे मौजूद इन केबलों से होकर गुजरता है। अगर इन केबलों को नुकसान पहुंचता है या इनके कामकाज में रुकावट आती है, तो इसका असर इंटरनेट सेवाओं, कारोबार और वित्तीय गतिविधियों पर पड़ सकता है। यही वजह है कि राजनाथ सिंह ने इनकी सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम हिस्सा बताया।

तेल और गैस के ठिकानों की सुरक्षा जरूरी

भारत की ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक गतिविधियों के लिए समुद्र में मौजूद तेल और गैस के ठिकाने भी महत्वपूर्ण हैं। समुद्र में बने तेल के कुएं, प्राकृतिक गैस के टर्मिनल और बड़े व्यापारिक बंदरगाह देश की आपूर्ति व्यवस्था से जुड़े हैं। इन ठिकानों पर किसी हमले, तकनीकी गड़बड़ी या प्राकृतिक आपदा का असर ऊर्जा की उपलब्धता और सामान की आवाजाही पर पड़ सकता है। इसलिए इनकी सुरक्षा सिर्फ नौसेना की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि देश की आर्थिक संप्रभुता से भी जुड़ा विषय है। राजनाथ सिंह के बयान का मतलब है कि समुद्र में मौजूद इन महत्वपूर्ण संपत्तियों की लगातार निगरानी की जानी चाहिए, ताकि किसी खतरे का समय रहते पता लगाया जा सके।

छात्रों के कल्याण के लिए भी राजनीति में आया हूं : सीएम विजय

एजेंसी। चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने कहा है कि उनके राजनीति में आने का एक उद्देश्य छात्रों का कल्याण भी है। बुधवार को दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में उन्होंने छात्रों से पढ़ाई पर ध्यान देने, जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल करने और भ्रष्टाचार व नशे से दूर रहने की अपील की। सीएम विजय ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वह इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि उनके बड़े भाई के रूप में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं यहां राजनीति करने, वोट मांगने या पार्टी की बात करने नहीं आया हूं। अभी आपको पार्टी की राजनीति की जरूरत नहीं है। अच्छी तरह पढ़ाई करें, बड़ी उपलब्धियां हासिल करें और अपना जीवन बदलें। इसके बाद आप समाज और तमिलनाडु के बारे में सोच सकते हैं।' मुख्यमंत्री ने अपने राजनीति में आने का जिक्र करते हुए कहा कि वह छात्रों के कल्याण को ध्यान में रखकर भी राजनीति में आए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी अलग पहचान बनाने और रास्ते में आने वाली मुश्किलों से नहीं घबराने को कहा।



सीएम विजय ने कहा, 'अगर लोग आपके रास्ते में बाधाएं खड़ी कर रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आपकी सफलता पहले ही तय हो चुकी है।' विजय ने युवाओं को बुरी आदतों का गुलाम नहीं बनने की सलाह दी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि छात्रों को भ्रष्टाचार और नशे से दूर रहना चाहिए। उनके मुताबिक, विद्यार्थियों के कंधों पर उनके माता-पिता, समाज और पूरे राज्य की उम्मीदें टिकी हुई हैं। यह टीवीके की ओर से आयोजित शैक्षणिक पुरस्कार समारोह का पहला चरण था। इसमें मुख्यमंत्री ने खुद मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र और आर्थिक प्रोत्साहन राशि दी। कार्यक्रम में शामिल तिरुवन्नामलाई की 12वीं की छात्रा मोनिका ने 600 में से 566 अंक हासिल किए हैं।

राजद परिवारवाद और तुष्टिकरण की पार्टी : नित्यानंद राय

एजेंसी। सहरसा

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर सहरसा पहुंचे। यहां उन्होंने रेनबो रिसॉर्ट में आयोजित एक जनसभा को संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने डीबी रोड से 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के बैनर तले करीब 600 मीटर तक पैदल मार्च किया। इस पदयात्रा और जनसभा में पूर्व मंत्री डॉ. आलोक रंजन, सिमरी बख्तियारपुर के विधायक संजय कुमार सिंह समेत सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने पैदल मार्च की जरूरत पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए एक मजबूत और जनहितैषी सरकार का होना आवश्यक है। नित्यानंद राय ने केंद्र सरकार के कार्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि एक अच्छी सरकार का दायित्व होता है कि वह देश की सीमाओं की सुरक्षा करे, आर्थिक स्थिरता बनाए रखे और शांति-व्यवस्था कायम करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश से गरीबी मिटाने, गरीबों को मुफ्त इलाज और पक्का मकान देने, किसानों के खाते में सम्मान निधि की राशि भेजने तथा जनधन खातों के जरिए लाभार्थियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचाने का काम पूरी पारदर्शिता से हो रहा है।





मशीनें चालू होने के दावे पर थमा फिजियोथेरेपी सुविधा के लिए आंदोलन

उपकरणों की सूची सौंपने के साथ मशीनों का कराया गया मिलान, अस्पताल प्रशासन ने नियमित सेवा शुरू करने का दिया भरोसा, अब मरीजों को धरातल पर सुविधा मिलने का इंतजार



केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में फिजियोथेरेपी की सुविधा बहाल करने को लेकर तीन दिनों से जारी अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को अस्पताल प्रशासन के आश्वासन के बाद स्थगित हो गया। धरने के तीसरे दिन प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. शिव कुमार चौधरी ने धरनास्थल पर पहुंचकर आंदोलनकारियों को फिजियोथेरेपी उपकरणों की सूची उपलब्ध कराई और अस्पताल में मौजूद मशीनों का मिलान भी कराया। उन्होंने सभी मशीनों के इंस्टॉलेशन और चालू होने की जानकारी देते हुए अस्पताल में नियमित रूप से फिजियोथेरेपी सेवा संचालित करने का भरोसा दिया। प्रशासन के इस कदम के बाद आंदोलनकारियों ने फिलहाल अपना धरना स्थगित करने का निर्णय लिया।

हालांकि, धरना स्थगित होने के साथ ही अस्पताल में फिजियोथेरेपी सेवा शुरू होने का दावा भी अब चर्चा के केंद्र में है। असल सवाल यह है कि मशीनों के चालू होने की जानकारी मरीजों को नियमित और निर्बाध इलाज की सुविधा में कब तब्दील होती है। क्योंकि आंदोलन की मूल वजह भी यही थी कि लाखों रुपये के आधुनिक उपकरण उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों को उनका लाभ नहीं मिल पा रहा था।

गौरतलब है कि समाजसेवी हरेकृष्ण सिंह यादव के नेतृत्व में अस्पताल में फिजियोथेरेपी की नियमित सुविधा बहाल करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया गया था। धरनार्थियों का आरोप था कि करीब एक वर्ष पूर्व अस्पताल को आधुनिक फिजियोथेरेपी मशीनें उपलब्ध कराई गई थीं, लेकिन लंबे समय तक उनका विधिवत इंस्टॉलेशन नहीं कराया गया। नतीजतन, हड्डी, नस और मांसपेशियों से जुड़ी समस्याओं से परेशान मरीजों को सरकारी अस्पताल में उपलब्ध हो सकने वाली इस महत्वपूर्ण चिकित्सा सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा था।

आंदोलनकारियों ने अस्पताल प्रशासन से उपकरणों की पूरी सूची सार्वजनिक करने, मशीनों की उपलब्धता और उनकी स्थिति स्पष्ट करने तथा सभी उपकरणों को इंस्टॉल कर नियमित सेवा शुरू करने की मांग उठाई थी। उनका कहना था कि सरकारी अस्पताल में संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद उनका उपयोग नहीं होना सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर खामी है।

बुधवार को प्रभारी उपाधीक्षक की पहल के बाद उपकरणों की सूची मिलने और मशीनों का मिलान होने से धरनार्थियों ने आंदोलन को फिलहाल विराम दे दिया। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि धरना स्थगित करने का अर्थ मांगों से पीछे हटना नहीं है। फिजियोथेरेपी सेवा का नियमित संचालन और मरीजों को इसका वास्तविक लाभ मिलना ही आंदोलन की सफलता का पैमाना होगा। अब देखना यह है कि अस्पताल प्रशासन अपना आश्वासन कितनी तत्परता से पूरा करता है।

एक नजर

छठ पर चौसा के गंगा घाटों की होगी अभेद्य सुरक्षा, चप्पे-चप्पे पर रहेगी निगरानी



चौसा। छठ महापर्व पर गंगा घाटों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए नगर पंचायत चौसा ने सुरक्षा और सुविधा की तैयारियां तेज करने की कवायद शुरू कर दी है। इस बार घाटों पर केवल साफ-सफाई और रोशनी ही नहीं, बल्कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किए जाएंगे। सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से निगरानी के साथ घाटों पर नाविकों व गोताखोरों की तैनाती की जाएगी। वहीं, व्रतियों की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम, बैरिकेटिंग और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने की तैयारी है। इन तैयारियों को लेकर बुधवार को नगर पंचायत कार्यालय के सभागार में सामान्य बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। नगर पंचायत अध्यक्ष किरण देवी की अध्यक्षता तथा कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी के संचालन में हुई बैठक में छठ महापर्व को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में गंगा घाटों की साफ-सफाई, श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन और सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों की मरम्मत, सफाई और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने के साथ मुख्य मार्गों पर स्वागत द्वार बनाने पर भी चर्चा हुई। घाटों पर चेंजिंग रूम और बैरिकेटिंग की व्यवस्था के जरिए व्रतियों को सहूलियत देने की योजना है। पर्व के दौरान विशेष सफाई अभियान चलाने और घाटों पर स्वच्छता बनाए रखने पर भी बल दिया गया। सुरक्षा के लिहाज से प्रत्येक घाट पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, ड्रोन से निगरानी करने तथा नाविकों और गोताखोरों की तैनाती का प्रस्ताव चर्चा में रहा। इन इंतजामों का उद्देश्य किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के साथ श्रद्धालुओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना है। बैठक में पूर्व की सामान्य बोर्ड बैठक की कार्यवाही की संपुष्टि पर भी विचार किया गया। इसके अलावा डोर-टू-डोर कचरा उठाव और नगर क्षेत्र की सफाई व्यवस्था की समीक्षा की गई। प्रत्येक वार्ड में अति महत्वपूर्ण योजनाओं का विभागीय स्तर पर क्रियान्वयन कराने को लेकर भी विमर्श हुआ। बैठक में वार्ड पार्षद ललिता देवी, नयनतारा देवी, चंदन चौधरी, पार्वती देवी, पुष्पा देवी, साजिदा, आनंद रावत, स्वच्छता पदाधिकारी अरसद हैदर नकवी और प्रधान लिपिक सत्यप्रकाश सहित अन्य उपस्थित थे।

आठ माह तक वेतन रोकने पर घिरे बीडीओ, आरडीओ को भुगतान का आदेश

डुमरांव। ब्रह्मपुर प्रखंड में आठ माह तक एक महिला पदाधिकारी का वेतन लंबित रहने का मामला अब प्रशासनिक कार्रवाई के दायरे में आ गया है। बकाया वेतन के भुगतान की मांग को लेकर कटोरा लेकर धरने पर बैठीं ग्रामीण विकास पदाधिकारी (आरडीओ) अल्पिका सिंह के मामले में जिला प्रशासन ने हस्तक्षेप करते हुए उनका लंबित वेतन जारी कर दिया है। वहीं, वेतन रोकने के फैसले को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सोनू कुमार की जवाबदेही तय करने की कवायद शुरू हो गई है। जिला प्रशासन ने उनसे स्पष्टीकरण तलब किया है। दरअसल, आठ महीने से वेतन नहीं मिलने से नाराज आरडीओ अल्पिका सिंह ने ब्रह्मपुर प्रखंड कार्यालय में कटोरा लेकर धरना-प्रदर्शन किया था। यह मामला सोशल मीडिया समेत विभिन्न माध्यमों से जिला प्रशासन तक पहुंचा, जिसके बाद प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया। आधिकारिक बयान जारी कर बताया गया कि संबंधित पदाधिकारी का लंबित वेतन जारी कर दिया गया है। प्रशासन ने बीडीओ सोनू कुमार से पूछा है कि आखिर किस आधार पर और किस सक्षम प्राधिकार के आदेश से आरडीओ का वेतन आठ महीने तक रोका गया था। उनसे इस संबंध में विस्तृत स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। प्रशासन का स्पष्ट रुख है कि किसी भी सरकारी कर्मी का वेतन निर्धारित नियमों और सक्षम प्राधिकार की अनुमति के बिना रोकना उचित नहीं है।

मधुबनी हत्याकांड के आरोपी फरार एएसआई की तलाश में पैतृक गांव चिलहरी में छापेमारी



मधुबनी के बलिराजगढ़ में अंधाधुंध फायरिंग कर एक की हत्या और तीन को किया था जख्मी, गिरफ्तारी के लिए पांच विशेष टीम गठित, 25 हजार का इनाम घोषित

केटी न्यूज/डुमरांव

मधुबनी जिले के बाबूबरही थाना क्षेत्र के बलिराजगढ़ गांव में अंधाधुंध फायरिंग कर एक ग्रामीण की हत्या करने और तीन अन्य को गंभीर रूप से जख्मी करने के मामले में फरार चल रहे निलंबित एएसआई चंद्रमोहन सिंह की तलाश में पुलिस ने डुमरांव अनुमंडल के नया भोजपुर थाना क्षेत्र स्थित उसके पैतृक गांव चिलहरी में छापेमारी की है। नया भोजपुर पुलिस की टीम ने मंगलवार और बुधवार को उसके घर समेत संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं मिल सका। उधर, इस सनसनीखेज वारदात में चिलहरी गांव का नाम सामने आने के बाद स्थानीय ग्रामीण भी सकते में हैं। ग्रामीणों के अनुसार, चंद्रमोहन सिंह का स्वभाव शुरू से ही दबंग और मनबढ़ किस्म का रहा है, लेकिन पुलिस विभाग में नौकरी करने के बावजूद वह इस तरह की जघन्य वारदात को अंजाम देगा, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। उसके पैतृक दरवाजे पर पुलिस टीम के पहुंचने के बाद गांव में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। लोग इस घटना को लेकर हैरानी जता रहे हैं।



चार भाइयों में सबसे छोटा है चंद्रमोहन

ग्रामीणों ने बताया कि चंद्रमोहन सिंह चार भाइयों में सबसे छोटा है। उसके दो भाई दिव्यांग हैं, जबकि तीसरा भाई गांव में किराना दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता है। उसके तीनों भाई प्रदीप, सुधीर और बलबीर अपनी मां के साथ चिलहरी में ही रहते हैं। इसके विपरीत चंद्रमोहन गांव में काफी कम आता-जाता था। वह तीन बच्चों का पिता है। उसकी दो बेटियां और एक बेटा है। उसका ससुराल आरा में है, जहां उसकी पत्नी नीलू देवी बच्चों के साथ मायके में रहती है। ग्रामीणों के मुताबिक, वर्ष 2009 में चंद्रमोहन सिंह की बिहार पुलिस में सिपाही के पद पर नियुक्ति हुई थी। बाद में वह सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) के पद पर पहुंचा। नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर चिलहरी गांव में छापेमारी की गई, लेकिन आरोपी एएसआई फरार मिला।

घर में घुसने पर पकड़े जाने के डर से की थी फायरिंग

गौरतलब है कि मधुबनी जिले के बाबूबरही थाना क्षेत्र के बलिराजगढ़ गांव में सोमवार की देर रात हुई इस वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया है। आरोप है कि अवैध संबंध का विरोध होने के बाद एएसआई चंद्रमोहन सिंह एक घर में घुसा था। पकड़े जाने की आशंका के बीच उसने ग्रामीणों पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। इस दौरान एक महिला समेत चार लोगों को गोली लगी थी, जिसमें एक ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज चल रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मधुबनी पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया है। उस पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। एसआईटी लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। हालांकि, वारदात के बाद से वह पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

पिता भी चार लोगों की हत्या में काट चुका था जेल की सजा

इस पूरे मामले का एक और चौंकाने वाला पहलू यह है कि आरोपी एएसआई चंद्रमोहन सिंह के पिता स्वर्गीय रविन्द्र सिंह भी हत्या के एक गंभीर मामले में सजायाफ्ता रह चुके थे। ग्रामीणों के अनुसार, रविन्द्र सिंह सेना में जवान थे। नौकरी के दौरान उन्होंने अपने तीन सैन्य अधिकारियों और एक अन्य जवान समेत चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में उनकी गिरफ्तारी हुई थी और उन्हें जेल जाना पड़ा था। करीब 14 वर्षों तक सजा काटने के बाद वह गांव लौटे थे। पिछले वर्ष उनका निधन हो गया। एक ही परिवार की दो पीढ़ियों से जुड़ी इन गंभीर घटनाओं की चर्चा अब चिलहरी गांव में भी हो रही है। फिलहाल ग्रामीणों की निगाहें पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं और फरार एएसआई की गिरफ्तारी का इंतजार किया जा रहा है।

चार माले कार्यकर्ताओं पर प्राथमिकी के विरोध में सोनवर्षा थाने का घेराव, डीएम-एसपी को बुलाने की मांग पर अड़े प्रदर्शनकारी



जनता दरबार में फरियाद लेकर पहुंचे पीड़ित परिवारों को कथित तौर पर फटकार लगाने का आरोप, माले नेता रामदेव सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने किया घेराव

केटी न्यूज/नावानगर

नावानगर प्रखंड के सोनवर्षा थाना परिसर में बुधवार को उस समय राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई, जब भाकपा माले के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने चार पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज नामजद प्राथमिकी के विरोध में थाने का घेराव कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने थाना के मुख्य गेट को जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने प्राथमिकी को एकतरफा कार्रवाई बताते हुए इसे वापस लेने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

माले कार्यकर्ताओं के अनुसार, विवाद की शुरूआत कुछ दिन पहले हुई थी। क्षेत्र के कुछ पीड़ित परिवार अपनी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के जनता दरबार में फरियाद लगाने पटना पहुंचे थे। आरोप है कि जनता दरबार से लौटने के बाद अनुमंडल पदाधिकारी और अंचल अधिकारी ने संबंधित परिवारों को कथित तौर पर जमकर फटकार लगाई। इतना ही नहीं, अधिकारियों द्वारा उनसे यह भी पूछा गया कि वे पटना कैसे पहुंच गए और उन्हें वहां किसने भेजा था। इस कथित व्यवहार से नाराज पीड़ित परिवारों के समर्थन में भाकपा माले के कार्यकर्ताओं ने आवाज उठाई और प्रशासनिक रवैये का विरोध किया। इसी घटनाक्रम के बाद पुलिस ने माले के चार कार्यकर्ताओं के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर दी। इसके विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने सोनवर्षा थाने पहुंच घेराव किया। घेराव का नेतृत्व माले नेता रामदेव सिंह ने की। इधर घेराव में पहुंचे पूर्व विधायक अजीत कुमार उर्फ अजीत

कुशवाहा ने कहा कि पुलिस ने मामले की वास्तविकता की पड़ताल किए बिना ही झूठे तथ्यों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इससे संबंधित लोगों को बेवजह कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने से पहले शिकायत की सत्यता और मामले की परिस्थितियों को गंभीरता से समझना जरूरी होता है। लेकिन सोनवर्षा थानाध्यक्ष ने कथित रूप से बिना समुचित इंक्वायरी किए ही मुकदमा दर्ज कर लिया। वही प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पीड़ित परिवारों की समस्याओं को उठाना कोई अपराध नहीं है। जनता की आवाज बुलंद करने वाले कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज कर आंदोलन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले में जवाबदेही तय करने की मांग की। इधर, मौके पर पहुंचे एसडीपीओ ने प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया, लेकिन कार्यकर्ता डीएम और एसपी को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। खबर लिखे जाने तक थाने का घेराव और प्रदर्शन जारी था।



ब्रह्मपुर में धावा दल की कार्रवाई, एक बाल श्रमिक को कराया गया मुक्त



श्रम विभाग, पुलिस और सामाजिक संस्था की संयुक्त टीम ने की छापेमारी, दोषी नियोजक पर प्राथमिकी दर्ज करने के साथ बाल श्रमिक के पुनर्वासन की होगी पहल

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

बाल श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत श्रम विभाग की धावा दल ने बुधवार को ब्रह्मपुर प्रखंड में कार्रवाई करते हुए एक बाल श्रमिक को मुक्त कराया। यह कार्रवाई श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग तथा जिलाधिकारी बक्सर के निर्देश पर की गई। अभियान के दौरान संबंधित स्थान पर पहुंची टीम ने बाल श्रमिक को काम से मुक्त कराते हुए उसे सुरक्षित संरक्षण में लिया। इस संयुक्त धावा दल में ब्रह्मपुर, नावानगर, चौगाईं एवं सिमरी के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी शामिल थे। कार्रवाई को प्रभावी बनाने के लिए ब्रह्मपुर थाना की पुलिस टीम के साथ स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सेवा संस्थान के सदस्य भी मौजूद रहे। सभी के समन्वित प्रयास से बाल श्रमिक को मुक्त कराने में सफलता मिली। मुक्त कराए गए बाल श्रमिक को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद जिला बाल कल्याण समिति को सुपुर्द कर दिया गया है। वहीं, बाल श्रम कराने वाले दोषी नियोजक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ ही मुक्त बाल श्रमिक के पुनर्वासन और उसे सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। श्रम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, बच्चों से मजदूरी कराना कानूनन अपराध है। इसे रोकने के लिए बक्सर जिले में लगातार धावा दल के माध्यम से अभियान चलाया जा रहा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बाल श्रम के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।





धनतेरस पर बरसेगी धन-समृद्धि की कृपा, आरोग्य के देवता भगवान धन्वन्तरि की होगी विशेष आराधना

6 नवंबर को मनेगी धन्वन्तरि जयंती, क्षीरसागर मंथन से अमृत कलश और औषधियों के साथ हुआ था भगवान का प्राकट्य महालक्ष्मी-कुबेर पूजन के लिए वृष लग्न सर्वोत्तम, यम दीपदान का भी विशेष महत्व



केटी न्यूज/बक्सर

धन, वैभव, सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना का पर्व धनतेरस इस वर्ष 6 नवंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पांच दिवसीय दीपावली महापर्व का शुभारंभ करने वाले इस पर्व को लेकर बाजारों में अभी से उत्साह का माहौल है। सोने-चांदी के आभूषण, बर्तन और विभिन्न धातुओं से निर्मित वस्तुओं की खरीदारी को लेकर बाजारों में विशेष रौनक रहने की उम्मीद है। वहीं, घरों और प्रतिष्ठानों में भगवान धन्वन्तरि, माता महालक्ष्मी तथा भगवान कुबेर की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। इस दिन भगवान धन्वन्तरि की जयंती भी मनाई जाएगी।

धनतेरस के धार्मिक महत्व, पूजा के शुभ मुहूर्त और दीपदान की परंपराओं को लेकर आचार्य नरोत्तम द्विवेदी ने विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धनतेरस केवल धन-संपत्ति अर्जित करने और खरीदारी का पर्व नहीं है, बल्कि यह आरोग्य, आयुर्वेद और निरोगी जीवन के प्रति भारतीय संस्कृति की गहरी आस्था का भी प्रतीक है।

7 नवंबर को नरक चतुर्दशी, चार बत्ती वाले दीप का विधान : आचार्य द्विवेदी ने बताया कि 7 नवंबर को नरक चतुर्दशी मनाई जाएगी। इस दिन घर के मुख्य द्वार के बाहर तिल या सरसों के तेल से चार बत्तियों वाला दीपक जलाकर दीपदान करने की परंपरा है। इसे चतुर्वर्ती दीपदान कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दीपदान से पापों का नाश और धर्मराज की प्रसन्नता प्राप्त होती है। इसके लिए निम्न मंत्र का विधान है–

'ततो दीप चतुर्दश्यां नरक प्रीतये मया। चतुर्वर्ती समायुक्तः सर्वपाप प्रणुतये।।' आचार्य नरोत्तम द्विवेदी ने कहा कि धनतेरस का पर्व हमें धन-संपदा के साथ स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुखमय जीवन का महत्व भी समझाता है। भगवान धन्वन्तरि की आराधना, माता महालक्ष्मी और कुबेर का पूजन तथा यम दीपदान जैसी परंपराएं इस पर्व की आध्यात्मिक महत्ता को और बढ़ाती हैं। उन्होंने लोगों से श्रद्धा, पवित्रता और विधि-विधान के साथ पर्व मनाने की अपील की।

क्षीरसागर मंथन से अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे भगवान धन्वन्तरि

आचार्य द्विवेदी ने बताया कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को भगवान धन्वन्तरि का प्राकट्योत्सव मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, देवताओं और असुरों द्वारा किए गए क्षीरसागर मंथन के दौरान भगवान धन्वन्तरि अमृत कलश और संसार के समस्त रोगों के उपचार में उपयोगी औषधियों के साथ प्रकट हुए थे। उन्हें आयुर्वेद का प्रवर्तक तथा देवताओं का वैद्य माना जाता है। यही कारण है कि इस दिन चिकित्सकों, वैद्यों, औषधि निमार्ताओं और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों द्वारा विशेष रूप से उनकी पूजा की जाती है। भगवान धन्वन्तरि की आराधना के माध्यम से लोग स्वस्थ, दीर्घायु और निरोगी जीवन की कामना करते हैं।

सोना-चांदी और धातुओं की खरीदारी मानी जाती है शुभ

आचार्य नरोत्तम द्विवेदी के अनुसार, धनतेरस पर सोने-चांदी के आभूषण, चांदी के बर्तन, तांबे-पीतल सहित अन्य धातुओं की वस्तुएं, धातु की मूर्तियां और झाड़ू खरीदना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन शुभ मुहूर्त में खरीदारी और महालक्ष्मी-कुबेर का पूजन करने से घर में धन-धान्य तथा सुख-समृद्धि का वास होता है।

महालक्ष्मी-कुबेर पूजन के लिए वृष लग्न सर्वोत्तम

आचार्य द्विवेदी ने धनतेरस पर खरीदारी और पूजन के लिए विभिन्न लग्न मुहूर्तों की जानकारी देते हुए बताया कि कुंभ लग्न दोपहर 1:07 से 2:39 बजे तक सर्वोत्तम, मीन लग्न 2:39 से 4:07 बजे तक मध्यम, प्रदोष काल में वृष लग्न शाम 5:45 से 7:42 बजे तक सर्वोत्तम तथा मिथुन लग्न रात 7:42 से 9:56 बजे तक मध्यम रहेगा। उन्होंने बताया कि विशेषकर प्रदोष काल का वृष लग्न महालक्ष्मी और कुबेर पूजन के लिए अत्यंत श्रेष्ठ माना गया है।

यम दीपदान से अकाल मृत्यु के भय से रक्षा की मान्यता

धनतेरस की शाम यम दीपदान की भी विशेष परंपरा है। इस दिन तिल या सरसों के तेल का दीपक जलाकर घर के मुख्य द्वार के बाहर दक्षिण दिशा की ओर रखना चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि यमराज के निमित्त दीपदान करने से अकाल मृत्यु के भय और मृत्यु संबंधी अरिष्ट से रक्षा होती है। इस अवसर पर निम्न मंत्र से दीपदान करने का विधान बताया गया है–
'मृत्युना पाशदण्डाभ्याम् कालेन यमया सह। त्रयोदश्यां दीपदानात् सूर्यजः प्रीयतां मम।।'

छठ घाटों की सुरक्षा को लेकर डीएम-एसपी ने गंगा में नाव से किया निरीक्षण

घाटों पर बैरिकेडिंग से लेकर सीसीटीवी और ड्रोन निगरानी तक की होगी व्यवस्था, व्रतियों की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम शौचालय और बोट क्लिनिक की भी होगी सुविधा



केटी न्यूज/बक्सर

छठ महापर्व को लेकर बक्सर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं स्वच्छता को लेकर प्रशासनिक स्तर पर व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को जिलाधिकारी साहिला एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने गंगा नदी में नाव के माध्यम से बक्सर नगर क्षेत्र के प्रमुख छठ घाटों का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने विभिन्न घाटों पर चल रही तैयारियों का जायजा लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं एसपी ने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को सभी छठ घाटों के साथ वहां तक पहुंचने वाले रास्तों की विशेष साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया। गंगा नदी में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर पर्याप्त बैरिकेडिंग कराने तथा अधिक गहराई वाले स्थानों को चिह्नित कर वहां लाल झंडे लगाने को कहा गया, ताकि श्रद्धालु खतरनाक स्थानों से दूर रहें। घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने के साथ माइकिंग की सुविधा सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। विशेष रूप से घाटों के किनारे ऐसी प्रकाश व्यवस्था करने पर जोर दिया गया, जिससे नदी के पानी में भी पर्याप्त रोशनी बनी रहे और किसी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों ने घाटों पर महिलाओं की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम, अस्थायी शौचालय एवं यूरिनल बनवाने का निर्देश दिया। इसके अलावा जरूरत के अनुसार रास्तों की मरम्मत, ड्रॉप गेट लगाने तथा अधिक भीड़भाड़ वाले घाटों पर निर्धारित स्थानों पर वाच टावर स्थापित करने को कहा गया। नगर क्षेत्र के छठ घाटों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगे हाई मास्ट लाइटों की जांच कर उन्हें दुरुस्त कराने का भी निर्देश दिया गया, ताकि पर्व के दौरान रोशनी की समस्या नहीं हो।

सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता बनाने के लिए घाटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, ड्रोन कैमरों से निगरानी करने तथा अस्थायी नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने पूजा समितियों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर सभी तैयारियां समय से पूरी करने पर भी बल दिया।

वहीं, स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सिविल सर्जन को छठ घाटों पर चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति करने तथा बोट क्लिनिक की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बक्सर को पर्व के दौरान सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने और विधि-व्यवस्था संधारण के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सहित आवश्यक प्रशासनिक इंतजाम करने को कहा गया।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, व्रतियों की सुरक्षा और घाटों की स्वच्छता सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इसके लिए सभी संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में सभी तैयारियां पूरी करने और दिए गए निदेशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

दीपावली-छठ पर सुरक्षा का रहेगा कड़ा पहरा अफवाह फैलाने वालों पर रहेगी पुलिस की नजर

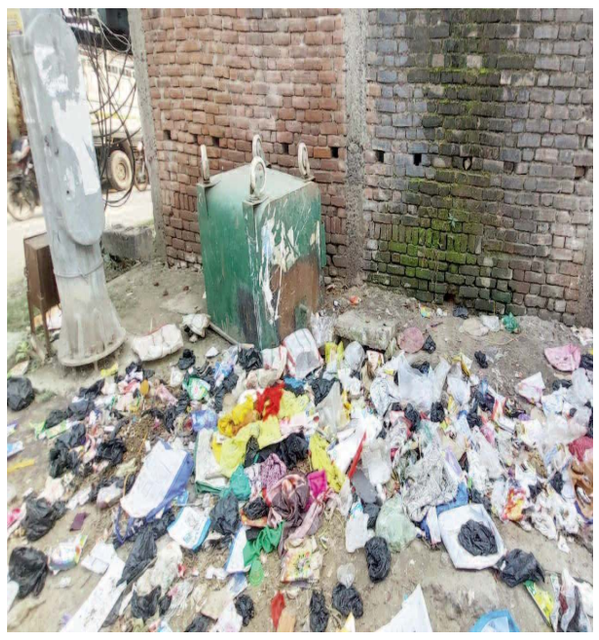
डुमरांव थाने में शांति समिति की बैठक में पर्वों को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील, पूजा स्थलों और छठ घाटों पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर बनी रणनीति



केटी न्यूज/डुमरांव

दीपावली की जगमगाहट और छठ महापर्व की आस्था के बीच डुमरांव में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना पुलिस-प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। इसे देखते हुए प्रशासन ने पर्वों के दौरान विधि-व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को डुमरांव थाना परिसर में आयोजित शांति समिति की बैठक में सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी और असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। बैठक में बीडीओ मोनालिसा प्रियदर्शिनी, थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा तथा नगर परिषद के प्रधान सहायक दुर्गेश कुमार सिंह सहित प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और विभिन्न पूजा समितियों के सदस्य शामिल हुए। बैठक में पूजा स्थलों और छठ घाटों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए आवश्यक सुरक्षा एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने पूजा समितियों के सदस्यों से अपने-अपने स्तर पर भी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने की अपील की। प्रशासन ने खास तौर पर अफवाहों और असामाजिक गतिविधियों को लेकर लोगों को सतर्क किया। कहा गया कि किसी भी तरह की भ्रामक सूचना या संदिग्ध गतिविधि सामने आने पर लोग खुद प्रतिक्रिया देने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचित करें। सोशल सद्भाव बिगाड़ने की कोशिश करने वालों से भी सतर्क रहने की जरूरत बताई गई। अधिकारियों ने कहा कि दीपावली और छठ जैसे महत्वपूर्ण पर्वों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। वहीं, बैठक में शामिल पूजा समितियों और गणमान्य लोगों ने आपसी भाईचारा कायम रखते हुए प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

दूसरे दिन भी सफाई कर्मियों की हड़ताल, शहर में गंदगी का अंबार



डुमरांव। दो महीने से वेतन भुगतान की बाट जोह रहे डुमरांव नगर परिषद के सफाई कर्मियों का आक्रोश अब शहर की सफाई व्यवस्था पर भारी पड़ने लगा है। बकाया मजदूरी के भुगतान की मांग को लेकर सफाई कर्मियों की हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। नतीजतन, शहर के विभिन्न हिस्सों में गंदगी का अंबार लगने लगा है। चौक-चौराहों, बाजारों और मोहल्लों में कचरे का ढेर जमा होने से आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। वहीं, सफाई व्यवस्था को सुचारु रखने के नगर परिषद के दावों की भी पोल खुलकर सामने आ गई है। दरअसल, पिछले दो महीने से वेतन भुगतान में लगातार हो रही देरी से नाराज सफाई कर्मियों ने मंगलवार को काम बंद कर दिया था। उनका कहना है कि बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद बकाया मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। मजदूरों के परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने का संकट खड़ा है। ऐसे में बिना मेहनताना मिले लगातार काम करना उनके लिए संभव नहीं रह गया है। इसी मांग पर अड़े सफाई कर्मियों ने बुधवार को भी झाड़ू नहीं उठाई और हड़ताल जारी रखी। सफाई कर्मियों के काम बंद करने का असर अब शहर की सड़कों पर साफ दिखने लगा है। नियमित कचरा उठाव ठप होने से जगह-जगह कूड़े के ढेर जमा हो रहे हैं। बाजारों और रिहायशी इलाकों में गंदगी फैलने लगी है। यदि हड़ताल लंबी खिंचती है तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। इससे न सिर्फ शहर की सुंदरता प्रभावित होगी, बल्कि नागरिकों को भी स्वच्छता संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। सबसे अहम सवाल यह है कि सफाई कर्मियों के हड़ताल पर जाने के बाद नगर परिषद की वैकल्पिक व्यवस्था आखिर कहां है? मजदूरों की अनुपस्थिति में शहर की सफाई व्यवस्था संभालने के लिए कोई प्रभावी इंतजाम नजर नहीं आ रहा है। हड़ताल ने नगर परिषद के वैकल्पिक सफाई प्रबंधन की पूरी तरह पोल खोल दी है। इससे स्पष्ट है कि सफाई व्यवस्था का पूरा दारोमदार उन्हीं मजदूरों के भरोसे है, जिनकी अपनी मजदूरी महीनों से लंबित है। अब शहरवासियों की निगाहें नगर परिषद प्रशासन पर टिकी हैं। देखना यह है कि प्रशासन बकाया भुगतान कर सफाई कर्मियों की हड़ताल खत्म कराने में कितनी तत्परता दिखाता है या फिर डुमरांव के लोगों को गंदगी के बीच ही दिन गुजारने पड़ेंगे।

आधुनिक तकनीक और नवाचार से खेती को बनाएं लाभकारी, किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

आत्मा के दो दिवसीय किसान मेला-सह-फल, फूल एवं सब्जी प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ पारंपरिक फसलों के साथ जैविक उत्पादों और उन्नत खेती की तकनीकों ने खींचा ध्यान



केटी न्यूज/बक्सर

बाजार समिति रोड स्थित संयुक्त कृषि भवन परिसर में बुधवार को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा), बक्सर के तत्वावधान में दो दिवसीय किसान मेला-सह-फल, फूल एवं सब्जी प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्ष सरोज देवी एवं उप विकास आयुक्त सह आत्मा की उपाध्यक्ष निहारिका छवि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मेले में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे प्रगतिशील महिला एवं पुरुष किसानों ने अपने उत्कृष्ट कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई।

इस अवसर पर किसानों को संबोधित करते हुए डीडीसी निहारिका छवि ने कहा कि बिहार कृषि प्रधान प्रदेश है। बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच खेती को लाभकारी बनाने के लिए आधुनिक कृषि उपकरणों और नवीनतम तकनीकों को अपनाना जरूरी है। इससे न केवल उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि किसानों की आमदनी में भी इजाफा होगा। उन्होंने खेती में नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से मिट्टी की नमी और पोषक तत्वों की सटीक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इससे किसान जरूरत के अनुसार संसाधनों का उपयोग कर खेती की लागत कम करने के साथ आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं। जिला परिषद अध्यक्ष सरोज देवी ने कहा कि किसान मेला किसानों के लिए अपनी समस्याओं को कृषि वैज्ञानिकों के समक्ष रखने और उनका समाधान प्राप्त करने का बेहतर मंच है। वहीं, जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि इस तरह के आयोजन के माध्यम से सरकार की महत्वाकांक्षी कृषि योजनाओं की जानकारी सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों तक पहुंचती है। मेले में लगाए गए स्टॉल किसानों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इनके माध्यम से किसान नई तकनीकों और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर बना सकते हैं।

प्रदर्शनी में दिखी किसानों की रचनात्मकता

मेले का प्रमुख आकर्षण फल, फूल एवं सब्जी प्रदर्शनी रही। इसमें किसानों ने सोनाचूर और काला नमक चावल, सफेद मूसली, ड्रैगन फ्रूट, मोटे अनाज, शहद, मोम, हल्दी, शुगर फ्री अमरूद, गेंदा फूल, गंधराज नींबू, बटन मशरूम, जैविक उत्पाद, प्याज, केला, लतर आलू और बैंगन सहित कई उत्कृष्ट उत्पाद प्रदर्शित किए। इन उत्पादों का मूल्यांकन करने के बाद मेले के दूसरे दिन प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

कृषि तकनीक से रूबरू हुए किसान

मेले में कृषि विज्ञान केंद्र, आत्मा, पौधा संरक्षण, उद्यान, भूमि संरक्षण, मिट्टी जांच प्रयोगशाला, कृषि यांत्रिकीकरण, मदन वाटिका नर्सरी, कुशवाहा पर्ल फार्म, डुमरांव फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, हिरावी ट्रेडर्स, खाना मखाना और कुल्हड़ दही समेत कई आकर्षक स्टॉल लगाए गए। वहीं, वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय, डुमरांव और कृषि विज्ञान केंद्र, बक्सर के विशेषज्ञों ने किसानों को रबी फसलों की खेती एवं बेहतर प्रबंधन की जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य, कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रमुख, जिला उद्यान पदाधिकारी, उप निदेशक कृषि अभियंत्रण, उप परियोजना निदेशक, दोनों अनुमंडलों के कृषि पदाधिकारी, जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधि, सहायक निदेशक, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, आत्माकर्मी, विभागीय कर्मियों सहित बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

अभियान में लापरवाही पर डीएम सख्त, तीन बीडीओ समेत पांच अधिकारियों से मांगा स्पष्टीकरण

सेवा संकल्प सह कायाकल्प अभियान की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी, नशामुक्त बिहार के लिए गांव से शहर तक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश



केटी न्यूज/बक्सर

सेवा संकल्प सह कायाकल्प एवं नशामुक्त बिहार अभियान के क्रियान्वयन में लापरवाही और सुस्ती बरतने वाले अधिकारियों पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में डीएम साहिला की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में तीन प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत पांच अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया गया। बैठक में बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने और अभियान की प्रगति संतोषजनक नहीं होने पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को जवाबदेह बनाने का निर्देश दिया।

समीक्षा के दौरान राजपुर, नावानगर एवं केसठ के प्रखंड विकास पदाधिकारी बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। इस पर डीएम ने तीनों अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया। वहीं, सेवा संकल्प सह कायाकल्प अभियान के क्रियान्वयन में धीमी प्रगति को गंभीरता से लेते हुए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (आईसीडीएस), बक्सर तथा जिला अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण पदाधिकारी से भी जवाब-तलब करने को कहा।

बैठक में डीएम ने अभियान के तहत जिले में संचालित विभिन्न गतिविधियों, निर्धारित लक्ष्यों और अब तक हुई कार्रवाई की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्यों को समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प सह कायाकल्प अभियान का उद्देश्य सरकारी संस्थानों एवं सार्वजनिक परिसरों में स्वच्छता, सुंदरता, बेहतर व्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं सुनिश्चित करना है। इसके लिए अधिकारी नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण करें और लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराएं। कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की सतत निगरानी भी सुनिश्चित की जाए। वहीं, नशामुक्त बिहार अभियान की समीक्षा के दौरान डीएम ने जन-जागरूकता को अभियान की सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इससे मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास और व्यापक जनभागीदारी जरूरी है। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायतों और सार्वजनिक स्थलों के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने का निर्देश दिया। डीएम ने स्पष्ट किया कि दोनों अभियानों में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें और नियमित समीक्षा के माध्यम से निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करें।

शांति देवी सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय का हुआ भव्य उद्घाटन, उमड़ा जनसैलाब



- बेरोजगारी और तानाशाही पर सांसद सुधाकर सिंह गरजे, बोले— युवाओं के हक पर डाका डाल रही सरकार
- जनविरोधी नीतियों और उपेक्षा के खिलाफ गांव से सदन तक लड़ेंगे लड़ाई : सोनू राय

केटी न्यूज/केसठ

ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा की लौ जलाने और युवाओं को प्रतियोगी माहौल देने के उद्देश्य से केसठ पंचायत में स्थापित शांति देवी सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनाल का बुधवार को भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। कन्या प्राथमिक विद्यालय परिसर में आयोजित इस समारोह का उद्घाटन बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने फीता काटकर किया, जबकि नवनिर्वाचित एमएलसी सोनू राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सह केसठ पंचायत के मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान ने की। समारोह में केसठ समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में महिला-पुरुष, छात्र और युवाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। पुस्तकालय की शुरूआत से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं और नौजवानों में जबरदस्त उत्साह और खुशी की लहर देखी गई। चुनाव जीतने के बाद पहली बार केसठ की धरती पर पहुंचे पंचायती राज एमएलसी सोनू राय का ग्रामीणों और कार्यकताओं ने फूल-मालाओं और गाजे-बाजे के साथ ऐतिहासिक स्वागत व भव्य अभिनंदन किया। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत राजद नेता सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव ने किया। मंच संचालन के दौरान वक्ताओं ने पंचायत की इस पहल को ग्रामीण विकास की दिशा में मील का पत्थर बताया।

बेटियों की तरक्की से ही मजबूत होगा समाज: डॉ. विद्या भारती : कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जिला परिषद सदस्य डॉ. विद्या भारती ने शिक्षा और महिला सशक्तिकरण पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा,किसी भी समाज की तरक्की का पैमाना वहां की महिलाओं की शिक्षा से तय होता है। यह पुस्तकालय ग्रामीण बेटियों के सपनों को नई उड़ान देगा। जब बेटियां शिक्षित होंगी, तभी समाज से रूढ़िवादिता और शोषण का अंत होगा।

पुष्प वर्षा कर सांसद व एमएलसी का जनप्रतिनिधियों ने किया स्वागत : कार्यक्रम स्थल पर बक्सर सांसद सुधाकर सिंह एवं नवनिर्वाचित एमएलसी सोनू राय के काफिले के पहुंचते ही ग्रामीणों और युवाओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया। केसठ की सीमा से लेकर सभा स्थल तक कार्यकताओं और ग्रामीणों ने दोनों अतिथियों का अभूतपूर्व और ऐतिहासिक स्वागत किया। मुख्य द्वार पर खड़ी जेसीबी से सांसद और एमएलसी पर भारी में पुष्प वर्षा की गई, जिससे पूरा माहौल उत्सव जैसा नजर आने लगा। ढोल-नगाड़ों की थाप, गाजे-बाजे और गगनभेदी नारों के बीच ग्रामीणों ने दोनों नेताओं को फूल-मालाओं से लाद दिया। चुनाव जीतने के बाद पहली बार केसठ पहुंचे एमएलसी सोनू राय और सांसद सुधाकर सिंह के इस भव्य व शाही स्वागत को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर ग्रामीणों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा।

हजारों की भीड़ के बीच जुटे कई दिग्गज जनप्रतिनिधि: अध्यक्षता करते हुए मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान ने कहा कि युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और गांव के हर वर्ग तक ज्ञान की पहुंच सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ इस पुस्तकालय की नींव रखी गई है। इस अवसर पर नवानगर जिला परिषद सदस्य मुन्ना यादव, चौंगाई जिला परिषद सदस्य बंटी साही, ब्रह्मपुर जिला परिषद सदस्य मुतुर्जा खान, सिकरौल बीडीसी सदस्य प्रतिनिधि पप्पू यादव, छात्र नेता जंगली यादव, विकास, सोनू, संतोष मुखिया, शारदा यादव, अखिलेश सिंह, विनोद मास्टर, मुकेश, मुन्ना, जितेंद्र पहलवान, लाल बाबू यादव, बदरी सिंह, अंगद यादव, गुड्डू यादव, रूपसागर मुखिया बृजकिशोर, ददन आजाद, कलामुद्दीन सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, बुद्धिजीवी और हजारों ग्रामीण उपस्थित रहे।

तानाशाही चरम पर, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही सरकार: सांसद

समारोह को संबोधित करते हुए बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने बेरोजगारी, तानाशाही और मौजूदा शासन व्यवस्था को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिए। उन्होंने कहा, आज देश और प्रदेश में युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना दिया गया है। सरकार रोजगार देने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है और सवाल पूछने पर तानाशाही रवैया अपनाकर आवाज दबाई जा रही है। जब सत्ता रोजगार के दरवाजे बंद करती है, तो पुस्तकालय ही वह हथियार बनते हैं जहां से युवा अपने हक और अधिकार की लड़ाई लड़ने की चेतना हासिल करते हैं। केसठ में यह पुस्तकालय केवल किताबों का घर नहीं, बल्कि तानाशाही के खिलाफ बौद्धिक क्रांति का केंद्र बनेगा।

पंचायती राज को कमजोर कर रही सरकार : एमएलसी सोनू राय

मुख्य अतिथि एमएलसी सोनू राय ने सरकार की जनविरोधी नीतियों पर सीधा हमला बोलते हुए कहा, आज प्रदेश में सरकार पूरी तरह बेलगाम अफसरशाही के भरोसे चल रही है। गांवों के नौजवानों की पढ़ाई, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के लिए सरकार के पास कोई ठोस योजना नहीं है। शिक्षा व्यवस्था को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है और ग्रामीण प्रतिभाओं को दबाने की साजिश हो रही है। जब सरकार अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है, तब केसठ के ग्रामीणों और मुखिया जी ने यह पुस्तकालय बनाकर सरकार की आंखें खोलने का काम किया है। जनता अब खामोश नहीं बैठेगी, हम गांव से लेकर सदन तक इस गूंगी-बहरी सरकार की नीतियों को बेनकाब करेंगे।

बिहार के भोजपुर में मां-बेटे की धारदार हथियार से हत्या

केटी न्यूज। भोजपुर

बिहार के भोजपुर जिले में दोहरे हत्याकांड से इलाके में हड़कंप मच गया। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदुनी गांव में मंगलवार की देर रात एक बुजुर्ग महिला और उसके छोटे बेटे की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। बुधवार की अहले सुबह घर से दोनों के शव बरामद किए गए। पुलिस ने संदेह के आधार पर मृतका के बड़े बेटे और बहू को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे संपत्ति विवाद की आशंका जताई जा रही है। मृतकों की पहचान तेंदुनी गांव निवासी विश्वामित्र सिंह की 60 वर्षीय पत्नी रामवती कुंवर और उनके 30 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों के गर्दन, पेट और शरीर के अन्य हिस्सों पर धारदार हथियार से वार किए जाने के निशान मिले हैं। घटनास्थल से पुलिस ने एक हथौड़ी भी बरामद की है। आशंका है कि हत्या के दौरान इसका भी इस्तेमाल किया गया होगा। दोहरी



हत्या की सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार और जगदीशपुर थानाध्यक्ष आशीष कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने घर और आसपास के इलाके का निरीक्षण किया तथा मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने मृतका के बड़े बेटे दिनेश कुमार और उसकी पत्नी शांति देवी को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि दिनेश के एक हाथ पर चोट का निशान भी मिला है। पुलिस इस चोट के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस हिरासत में लिए गए दिनेश कुमार ने पूछताछ के दौरान दावा किया कि मंगलवार की देर रात करीब डेढ़ बजे आठ नकाबपोश अपराधी घर में घुस आए थे। उस समय उसकी मां रामवती कुंवर और छोटा भाई सुनील कुमार कमरे में सो रहे थे। अपराधियों ने दोनों पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। दिनेश के अनुसार, मां और भाई को बचाने के प्रयास में उसके हाथ में भी चोट लग गई। हालांकि, पुलिस उसके इस बयान की सत्यता की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि घर में वास्तव में बाहरी अपराधी दाखिल हुए थे या घटना के पीछे कोई अन्य वजह है। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार, घटनाक्रम और संभावित आरोपितों की भूमिका की जांच कर रही है। संपत्ति विवाद के साथ-साथ हत्या के अन्य संभावित कारणों को भी ध्यान में रखकर अनुसंधान किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस हिरासत में लिए गए दिनेश कुमार और उसकी पत्नी शांति देवी से गहन पूछताछ कर रही है। साथ ही वारदात में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच और पूछताछ के बाद ही हत्याकांड की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। इस दोहरे हत्याकांड के बाद तेंदुनी गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव के लोग घटना से स्तब्ध हैं।

आरा में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या का आरोप, पति समेत पांच पर प्राथमिकी, ननद और भैसुर गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महुली गांव में मंगलवार को हुई विवाहिता की मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है. मृतका के भाई के बयान पर पति, सास, ससुर, ननद और भैसुर को नामजद आरोपित बनाया गया है. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित ननद और भैसुर को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं, मामले की जांच जारी है. मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भकुरा गांव निवासी मृतका के भाई पंकज कुमार सिंह ने प्राथमिकी दर्ज कराई है. इसमें महुली गांव निवासी मृतका के पति अरविंद सिंह, ससुर कमल कुमार सिंह, सास मीरा देवी, भैसुर मनीष कुमार सिंह और ननद निशु कुमारी को आरोपित बनाया गया है. दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, पंकज कुमार सिंह ने अपनी बहन प्रियंका कुमारी उर्फ जुली कुमारी की शादी 27 अप्रैल 2021 को अरविंद सिंह से की थी. आरोप है कि शादी के बाद से ही पति और ससुराल के अन्य सदस्य दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल, सोने की चेन और व्यापार करने के लिए पांच लाख रुपये की मांग कर रहे थे. मांग पूरी नहीं होने पर प्रियंका के साथ मारपीट की जाती थी. मृतका के भाई ने आरोप लगाया है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर सभी नामजद आरोपितों ने मिलकर प्रियंका कुमारी उर्फ जुली कुमारी की हत्या कर दी और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को पंखे से लटका दिया. इसके बाद सभी घर से फरार हो गए. हालांकि, इन आरोपों की पुलिस जांच कर रही है. इस मामले में सदर एसडीपीओ-वन सुशील कुमार ने बताया कि 3 अक्टूबर को दोपहर करीब दो बजे मुफस्सिल थानाध्यक्ष को सूचना मिली थी कि महुली गांव में एक महिला की फांसी लगने से मौत हो गई है. सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस और एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची. टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए. उन्होंने बताया कि मृतका के भाई के बयान पर पति, सास, ससुर, ननद और भैसुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।



हत्या के बाद शव पंखे से लटकाने का आरोप

मृतका के भाई ने आरोप लगाया है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर सभी नामजद आरोपितों ने मिलकर प्रियंका कुमारी उर्फ जुली कुमारी की हत्या कर दी और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को पंखे से लटका दिया. इसके बाद सभी घर से फरार हो गए. हालांकि, इन आरोपों की पुलिस जांच कर रही है.

युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनने पर अविनाश मिश्र का अभिनंदन



केटी न्यूज/आरा

जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद पर अविनाश मिश्र के निर्वाचित होने पर चंदवा स्थित परशुराम सेवा संघ के कार्यालय में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेसजनों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने उन्हें अबीर-गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता परशुराम सेवा संघ एवं शाहाबाद ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष अंजनी तिवारी ने की। संचालन डॉ. अमित कुमार द्विवेदी तथा धन्यवाद ज्ञापन अभिषेक द्विवेदी ने किया।

अंजनी तिवारी ने अविनाश मिश्र के निर्वाचन को युवा कार्यकताओं के विश्वास और सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने हर परिस्थिति में परशुराम सेवा संघ की ओर से सहयोग का भरोसा दिलाया। मौके पर निकेश पाण्डेय,अभिषेक उपाध्याय,अंशु शेखर चौधरी, प्रभात यादव, उत्कर्ष राज, अतुल तिवारी, प्रभात रंजन, देवेश उपाध्याय समेत कई कांग्रेस नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कैथी मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. जितेंद्र मिश्र का निधन, शिक्षा जगत में शोक की लहर

- सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद वाराणसी में चल रहा था इलाज, बुधवार को ली अंतिम सांस, अपने मिलनसार और हंसमुख स्वभाव से सबके दिलों में बनाई थी खास जगह

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

शिक्षकों के सुख-दुख में हमेशा साथ खड़े रहने वाले, अपने हंसमुख और मिलनसार स्वभाव से हर किसी के चेहरे पर मुस्कान बिखेरने वाले मध्य विद्यालय कैथी, ब्रह्मपुर के प्रधानाध्यापक डॉ. जितेंद्र मिश्र अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके असामयिक निधन की खबर से पूरे शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन से शिक्षकों, शुभचिंतकों और परिचितों के बीच गहरा दुख व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, डॉ. जितेंद्र मिश्र सड़क दुर्घटना में घायल



हो गए थे। दुर्घटना के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए वाराणसी में उनका इलाज कराया जा रहा था। चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद बुधवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र के शिक्षकों और सामाजिक लोगों में शोक छा गया।

डॉ. जितेंद्र मिश्र केवल एक शिक्षक और प्रधानाध्यापक ही नहीं, बल्कि अपने सहकर्मियों के लिए सुख-दुख के सच्चे साथी भी थे। उनका सहज व्यवहार, सदैव हंसते-मुस्कराते रहने का अंदाज और सबके साथ आत्मीयता से पेश आने का स्वभाव उन्हें दूसरों से अलग पहचान देता था। वे अपने व्यवहार से लोगों के दिलों में खास जगह बना चुके थे। उनके साथ काम करने वाले शिक्षक उन्हें एक ऐसे साथी के रूप में याद कर रहे हैं, जिनकी मौजूदगी से माहौल में अपनापन और सकारात्मकता बनी रहती थी।

बताया जाता है कि डॉ. जितेंद्र मिश्र बक्सर के चर्चित शिक्षाविद् एवं प्रोफेसर डॉ. श्यामजी मिश्र के छोटे भाई थे। उनके निधन को शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। उनके जाने से न सिर्फ एक समर्पित शिक्षक का साथ छूटा है, बल्कि एक ऐसा हंसमुख व्यक्तित्व भी हमेशा के लिए विदा हो गया, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

गंगा आरती से जगमगाया न्यू कॉलोनी पोखर छठ घाट, भक्ति गीतों पर झूमे श्रद्धालु



केटी न्यूज/आरा

सहरसा। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर बुधवार को शहर के न्यू कॉलोनी पोखर घाट पर भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरा घाट दीपों और रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आरती में भाग लेकर छठी मइया की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम का शुभारंभ डीडीसी कुमार गौरव, नगर निगम उप आयुक्त, एसडीएम श्रेयांश तिवारी और एडीएम निशांत कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद सिंहेश्वर से पहुंचे पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पारंपरिक विधि-विधान से गंगा आरती की। शंख ध्वनि और घंटियों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक छठ गीतों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु झूम उठे। घाट पर दीपों की आकर्षक सजावट और भक्ति संगीत ने लोगों का मन मोह लिया। श्रद्धालुओं ने छठ घाटों की स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम से शहर में छठ पर्व को लेकर उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

भोजपुर में नशामुक्ति अभियान से जुड़ीं 1993 जीविका दीदियां, 8 प्रखंडों में ली नशे के खिलाफ शपथ

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले में नशामुक्त बिहार अभियान को लेकर महिलाओं ने बड़ी पहल की है. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रभु दर्शन भवन, गोढ़ना रोड, आरा की बहनों के नेतृत्व में जिले में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. 1 नवंबर से 7 नवंबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान के तहत अब तक जिले के 8 प्रखंडों की 1993 जीविका दीदियां नशे के खिलाफ प्रतिज्ञा ले चुकी हैं. यह अभियान जिले के सभी 14 प्रखंडों में चलाया जाएगा. यह अभियान राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के मेडिकल विंग और बिहार सरकार के मद्य निषेध विभाग के बीच हुए समझौता ज्ञापन



के तहत संचालित किया जा रहा है. 27 अक्टूबर 2026 को पटना के अधिवेशन भवन में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 'नशामुक्त बिहार अभियान-2026' की राज्यव्यापी शुरूआत की थी. इसी कड़ी में भोजपुर जिले में 1 से 7 नवंबर तक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. अभियान के तहत अब तक भोजपुर के आठ प्रखंडों में जीविका दीदियों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया गया है. प्रखंडवार प्रतिज्ञा लेने वाली जीविका दीदियों की संख्या इस प्रकार है. इस अभियान में गोढ़ना सेवा केंद्र की बीके रूपा बहन और बीके सुरभि बहन की अहम भूमिका है. दोनों बहनें विभिन्न प्रखंडों में पहुंचकर जीविका दीदियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक कर रही हैं. कार्यक्रमों में शराब, गुटखा, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान की विस्तार से जानकारी दी जा रही है. जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान बताया जा रहा है कि नशे की लत से कैंसर, लीवर संबंधी बीमारियां, मानसिक तनाव और आर्थिक परेशानियां पैदा होती हैं. इसका सबसे अधिक असर परिवार और बच्चों पर पड़ता है. नशे की वजह से पारिवारिक रिश्ते प्रभावित होते हैं और बच्चों को माता-पिता का उचित स्नेह एवं देखभाल नहीं मिल पाती है. इस दौरान जीविका दीदियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगी. साथ ही अपने पति, बेटों और परिवार के अन्य सदस्यों को भी नशे से बचाने का प्रयास करेंगी. उन्होंने अपने गांव को नशामुक्त बनाने में भी सक्रिय भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता जताई. सेवा केंद्र की बहनों ने बताया कि यह जागरूकता अभियान 7 नवंबर तक भोजपुर जिले के सभी 14 प्रखंडों में चलाया जाएगा. जिन प्रखंडों में अभी कार्यक्रम आयोजित नहीं हुए हैं, वहां भी जीविका दीदियों के साथ जागरूकता और प्रतिज्ञा कार्यक्रम किए जाएंगे. अभियान के अंत में सभी दीदियों ने एकजुट होकर नशामुक्त बिहार बनाने का संकल्प लिया.

आठ माह तक वेतन रोकने पर घिरे बीडीओ, आरडीओ को भुगतान का आदेश

- जिला प्रशासन ने लिया धरने का संज्ञान, बीडीओ से मांगा जवाब, आरडीओ की कथित अनधिकृत अनुपस्थिति की भी होगी जांच

केटी न्यूज/डुमरांव

ब्रह्मपुर प्रखंड में आठ माह तक एक महिला पदाधिकारी का वेतन लंबित रहने का मामला अब प्रशासनिक कार्रवाई के दायरे में आ गया है। बकाया वेतन के भुगतान की मांग को लेकर कटोरा लेकर धरने पर बैठीं ग्रामीण विकास पदाधिकारी (आरडीओ) अल्पिका सिंह के मामले में जिला प्रशासन ने हस्तक्षेप करते हुए उनका लंबित वेतन जारी कर दिया है। वहीं, वेतन रोकने के फैसले को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सोनू कुमार की जवाबदेही तय करने की कवायद शुरू हो गई है। जिला प्रशासन ने उनसे स्पष्टीकरण तलब किया है।

दरअसल, आठ महीने से वेतन नहीं मिलने से नाराज आरडीओ अल्पिका सिंह ने ब्रह्मपुर प्रखंड कार्यालय में कटोरा लेकर धरना-प्रदर्शन किया था। यह मामला सोशल मीडिया समेत विभिन्न माध्यमों से जिला प्रशासन तक पहुंचा, जिसके बाद प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया। आधिकारिक बयान जारी कर बताया गया कि संबंधित पदाधिकारी का लंबित वेतन जारी कर दिया गया है।

प्रशासन ने बीडीओ सोनू कुमार से पूछा है कि आखिर किस आधार पर और किस सक्षम प्राधिकार के आदेश से आरडीओ का वेतन आठ महीने तक रोका गया था। उनसे इस संबंध में विस्तृत स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। प्रशासन का स्पष्ट रुख है कि किसी भी सरकारी कर्मी का वेतन निर्धारित नियमों और सक्षम प्राधिकार की अनुमति के बिना रोकना उचित नहीं है।

हालांकि, इस प्रकरण में आरडीओ अल्पिका सिंह की भूमिका भी जांच के दायरे में रहेगी। बीडीओ की ओर से दिए गए प्रतिवेदन के आधार पर उनकी कथित अनधिकृत अनुपस्थिति की जांच कराई जाएगी। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर विभागीय नियमों के तहत आगे की कार्रवाई होगी।

इस घटनाक्रम ने प्रखंड कार्यालय की कार्यप्रणाली और अधिकारियों की जवाबदेही को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब निगाहें बीडीओ के जवाब और जांच के निष्कर्षों पर टिकी हैं।

एक नजर

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन



साहरसा। समाहरणालय स्थित नये सभागार में बुधवार को जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पटना से आए मास्टर ट्रेनरों द्वारा विभिन्न पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत सभागार के निचले तल पर सभी चार्ज पदाधिकारियों एवं सहायक चार्ज पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। वहीं, प्रथम तल पर संबंधित तकनीकी कर्मियों एवं पदाधिकारियों को जनगणना कार्य से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया।इस अवसर पर अपर समाहर्ता, निर्वाचन गणेश कुमार, अपर समाहर्ता, राजस्व निशांत कुमार, अपर समाहर्ता, आपदा प्रबंधन मुकेश कुमार तथा नोडल पदाधिकारी, प्रशिक्षण कोषांग-सह-जिला योजना पदाधिकारी विशाल राघव उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 से संबंधित निर्धारित कार्यक्रम निम्नवत है:

स्व-गणना : 10 जनवरी 2027 से 24 जनवरी 2027 तक। जनसंख्या गणनाः 25 जनवरी 2027 से 28 फरवरी 2027 तक। पुनरीक्षण दौरः 1 मार्च 2027 से 5 मार्च 2027 तक। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जनगणना कार्य से जुड़े पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्धारित प्रक्रिया, तकनीकी पहलुओं तथा दायित्वों की समुचित जानकारी प्रदान करना है, ताकि जनगणना-2027 का कार्य निर्धारित समय-सीमा में सुचारू एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराया जा सके।

फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर के नेतृत्व में नकली पनीर विक्रेताओं पर हुई कार्रवाई दो कुंटल से अधिक पनीर जब्त

सहरसा। दीपावली एवं छठ पर्व के मद्देनजर बाजार में बिक रहे नकली पनीर एवं मिठाईयां को लेकर फूड इंस्पेक्टर के नेतृत्व में विभिन्न दुकानदारों में छापामारी की जा रही है। वहीं बुधवार को शहर के सब्जी मंडी में नकली पनीर विक्रेताओं पर छापेमारी कार्यवाही की गई। फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर संजय चौधरी ने बताया कि जिलाधिकारी दीपेश कुमार सदर एसडीओ श्रेयांश तिवारी एवं डीओ अनिल कुमार के निर्देश पर नकली खाद्य सामग्री के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।जिसके तहत 2 कुंटल से अधिक नकली पनीर जप्त कर जांच के लिए इसे पटना भेजा गया। उन्होंने बताया कि मंगलवार की रात्रि शहर के प्रमुख मिठाई दुकान, जनरल स्टोर एवं किराना दुकानों में छापेमारी का काजू एवं अन्य मिठाई की को जप्त करते हुए जांच सैंपल के लिए पटना भेजा गया है ।उन्होंने बताया कि बाजार में असली पनीर ?400 किलो बिकता है जबकि नकली पनीर ?200 से भी कम भाव में बेचा जा रहा है। उन्होंने बताया कि पनीर के ऊपर आयोडीन डालने के बाद उसका रंग काला पड़ गया जिसके कारण प्रथम दृष्ट्या यह साबित हुआ किया नकली पनीर बेचा जा रहा है ।जो जीवन के लिए खतरा है इस मौके पर डाटा ऑपरेटर कुणाल कुमार एग्जीक्यूटिव राहुल राज सहित अन्य मौजूद रहे।

राष्ट्रीय गाद प्रबंधन नीति की दिशा में बिहार की पहल महत्वपूर्ण : विजय चौधरी

- **उपमुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को दी बधाई, कहा- नदियों को मिलेगा नया जीवन और बाढ़ की भयावहता होगी कम**



एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री-सह-जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने नई दिल्ली में बिहार सरकार और केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बधाई दी है। उन्होंने इसे राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया। पटना में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में विजय चौधरी ने कहा कि नदियों में गाद जमा होना उनकी बदहाली और बाढ़ की भयावहता के प्रमुख कारणों में से एक है। बिहार सरकार पिछले डेढ़ दशक से राष्ट्रीय गाद प्रबंधन नीति की मांग कर रही थी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गाद की समस्या की गंभीरता की पहचान वर्ष 2011-12 में हुई थी। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण की बैठक में इस मुद्दे को उठाया था। उनके आमंत्रण पर तत्कालीन केंद्रीय मंत्री पवन बंसल को बक्सर से फरक्का तक हवाई यात्रा कराकर गंगा में गाद जमा होने से उत्पन्न स्थिति का जायजा भी दिलाया गया था। विजय चौधरी ने बताया कि वर्ष 2014 में तत्कालीन केंद्रीय जल संसाधन मंत्री उमा भारती के समक्ष भी गाद प्रबंधन नीति की आवश्यकता और फरक्का बराज के निर्माण के बाद बिहार के हिस्से में गाद जमा होने की अनियंत्रित गति का मुद्दा उठाया गया था। इसके बाद पहली बार गाद प्रबंधन को लेकर विशेषज्ञ समिति गठित की गई। समिति की रिपोर्ट के आधार पर वर्ष 2022 में तलछट प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय ढांचा प्रस्तावित किया गया। इस पर राज्य सरकारों से सुझाव मांगे गए, लेकिन इसे अब तक अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग ने हाल ही में ह्यबिहार जलस्रोत पुनर्स्थापन और गाद प्रबंधन नीति-2026ह्ल तैयार की है। इसमें गाद के निस्तारण की प्रक्रिया और व्यावहारिक उपाय शामिल किए गए हैं। इसी नीति के आधार पर तीन नवंबर को नई दिल्ली में मुख्यमंत्री ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि इस पहल से नदियों से गाद निकालने में मदद मिलेगी, जिससे उनका पुनर्जीवन होगा और बाढ़ की भयावहता कम की जा सकेगी। इसके अलावा सड़कों के निर्माण और अन्य विकास कार्यों में मिट्टी भराई के लिए निकाली गई गाद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे किसानों की उपजाऊ मिट्टी की कटाई पर भी रोक लगाने में मदद मिलेगी।

विकास और सुशासन के लिए किए गए कार्यों तथा सपनों को पूरा करने की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री



एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर मुलाकात की तथा उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने नीतीश कुमार को बधाई दी और कहा कि आपके द्वारा बिहार के विकास और सुशासन के लिए किए गए कार्यों तथा सपनों को पूरा करने की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा वर्षों से उठाई जा रही गाद नीति की मांग को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के साथ इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। इसके तहत विभिन्न नदियों से लगभग 4 लाख क्यूबिक मीटर गाद निकालने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। गाद निकालने का कार्य मंत्रालय द्वारा किया जाएगा तथा निकाले गये गाद का उपयोग भी किया जाएगा। इससे बिहार में बाढ़ की समस्या से राहत मिलेगी। साथ ही, खेतों की मिट्टी के कटाव को रोकने में भी मदद मिलेगी। यह बिहार के जल प्रबंधन और किसानों के हित में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रियों से मुलाकात कर बिहार के विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई है। केंद्रीय रेल मंत्री से दीपावली एवं छठ के अवसर पर बिहार आनेवाले यात्रियों की सुविधा के लिए पिछले वर्ष की तुलना में अधिक विशेष ट्रेनें चलाने का आग्रह किया गया है। पिछले वर्ष 10 हजार से अधिक जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाई गई थीं। इस बार इससे भी अधिक ट्रेनें चलाने का अनुरोध किया गया है, ताकि पर्व-त्योहार के दौरान बिहार आने वाले लोगों को बेहतर रेल सुविधा मिल सके। केंद्रीय रेल मंत्री से अयोध्या और सीतामढ़ी के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है। भगवान प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या से मां सीता की जन्मस्थली सीतामढ़ी को सीधे जोड़ने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गया में भाव्या योजना के माध्यम से इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। इसी तर्ज पर बिहार में पांच अन्य स्थानों पर भी इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर विकसित करने का आग्रह किया गया है। मुजफ्फरपुर और दरभंगा का प्रस्ताव केंद्र सरकार को दिया जा चुका हैं। मुझे विश्वास है कि इन प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति मिलेगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बिहार में औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि बिहार में लगभग 13 हजार एकड़ भूमि उद्योगों के लिए उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है। अब तक 1,000 से अधिक उद्योगों को जमीन उपलब्ध कराई जा चुकी है। आगे और अधिक निवेशकों एवं उद्यमियों को इस पहल से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में डाटा सेंटर बनकर तैयार हो गया है। वर्ष 2024 में इसके लिए जमीन उपलब्ध कराई गई थी। पटना में 'कंट्रोल एस' के नाम से स्थापित डाटा सेंटर का उद्घाटन हमनें स्वयं किया है। यह राज्य के तकनीकी एवं औद्योगिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात कर बिहार में विकसित किए जा रहे इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति शीघ्र प्रदान करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही राज्य में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए भी आवश्यक सहमति मांगी गई है, ताकि अन्य राज्यों की तरह बिहार में भी पीपीपी मोड पर इको टूरिज्म की आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जा सके।

जनता कांग्रेस और इंडी गठबंधन के झूठे नैरेटिव में आने वाली नहीं : नित्यानंद राय

- **सहरसा में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा में उमड़ी भीड़**



एजेंसी। पटना

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को सहरसा में कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। ह्यलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओह्ल पदयात्रा अभियान के तहत सहरसा पहुंचे राय ने कहा कि राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के नेता चाहे जितना भ्रम और अफवाह फैलाने की कोशिश कर लें, देश की जनता उनके दोहरे चरित्र, नकारात्मक राजनीति और मंशा को समझ चुकी है। जनता अब उनके झूठे नैरेटिव में आने वाली नहीं है। लोगों का अटूट विश्वास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और उनकी विकासोन्मुखी नीतियों पर है। रेनबो रिसोर्ट जिला परिषद से शहीद चौक तक आयोजित पदयात्रा में उमड़ी भीड़ और लोगों के उत्साह का जिक्र करते हुए नित्यानंद राय ने कहा कि आज गांव-गांव, शहर-शहर और देश के हर कोने से एक ही आवाज सुनाई दे रही है- ह्यमोदी, हम तुम्हारे साथ हैंह्ल यह आवाज प्रधानमंत्री के प्रति जनता के विश्वास और समर्थन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव समेत विपक्षी दलों के अन्य नेता लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर भ्रम फैलाकर देश को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जनता उनके इरादों को समझ रही है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन की पहचान भ्रष्टाचार, कुशासन, नीतिगत पंगुता और आतंकवाद के प्रति कमजोर रवैये से रही है। उस दौर में देश की सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और विकास की आकांक्षाओं के साथ समझौता किया गया। उन्होंने कहा कि आज वही कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जनता को गुमराह करने के लिए झूठ और भ्रम का सहारा ले रहे हैं। नित्यानंद राय ने कहा कि वर्ष 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में देश की जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दिया है। जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, सुशासन, गरीब कल्याण और विकास की राजनीति पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हुई है। भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य अवश्य हासिल करेगा। देश की जनता कांग्रेस और इंडी गठबंधन की नकारात्मक राजनीति को नकारते हुए राष्ट्रहित, विकास और सुशासन के मार्ग पर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ती रहेगी।-

वैशाली में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने लिया जायजा

एजेंसी। पटना

भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश के अध्यक्ष संजय सरावगी बुधवार को वैशाली पहुंचे। यहां उन्होंने जाफरपट्टी औद्योगिक क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित आगमन एवं कार्यक्रम को लेकर आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यक्रम स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी ली और विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर की जा रही कार्रवाई को समझा। उन्होंने आयोजन को लेकर आवश्यक तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया। संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रस्तावित कार्यक्रम बिहार के लिए महत्वपूर्ण है। उनके



प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं और आम लोगों में उत्साह है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश और बिहार विकास के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। उनके प्रस्तावित कार्यक्रम से क्षेत्र में विकास और जनकल्याण के प्रति नई ऊर्जा का संचार होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे सभी संबंधित लोगों से पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करने की अपील की, ताकि आयोजन सुव्यवस्थित और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। इस मौके पर भाजपा के विधायक अवधेश सिंह, संजय सिंह, जदयू के सिद्धार्थ पटेल भी उपस्थित रहे।

धनतेरस पर मनोरंजन का महाउपहार! 6 नवंबर को डिजिटल मंच पर दस्तक देगी मोटकी बहू पतरकी बहू



एजेंसी। आरा

भोजपुरी सिनेमा प्रेमियों के लिए धनतेरस का त्योहार इस बार मनोरंजन का खास तोहफा लेकर आ रहा है। भोजपुरी फिल्म ह्यमोटकी बहू पतरकी बहूह्ल का विश्व डिजिटल प्रीमियर 6 नवंबर को ह्यएडवाइज भोजपुरीह्ल के यूट्यूब चैनल पर होने जा रहा है। नेहा श्री एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी यह फिल्म पारिवारिक मनोरंजन, सामाजिक संदेश और प्रेरणा का अनूठा संगम है। फिल्म में नेहा श्री और शिल्पी राघवानी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म के प्रचार दृश्य में दोनों अभिनेत्रियों की शानदार झलक और दिलचस्प अंदाज दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा चुका है। अब दर्शकों को पूरी फिल्म में उनकी अदाकारी और मनोरंजक कहानी देखने का इंतजार है। फिल्म को लेकर निमार्ता एवं अभिनेत्री नेहा श्री ने कहा कि ह्यमोटकी बहू पतरकी बहूह्ल एक संपूर्ण पारिवारिक फिल्म है, जिसमें मनोरंजन के साथ सामाजिक संदेश और प्रेरणा भी देखने को मिलेगी। फिल्म बनाने का उद्देश्य ऐसी कहानी दर्शकों तक पहुंचाना है, जिसे परिवार के सभी सदस्य एक साथ बैठकर देख सकें। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक फिल्म को भरपूर प्यार देंगे और 6 नवंबर को एडवाइज भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर इसे जरूर देखेंगे। वहीं, अभिनेत्री शिल्पी राघवानी ने भी फिल्म के डिजिटल प्रीमियर को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह फिल्म दर्शकों के लिए मनोरंजन का शानदार अनुभव साबित होगी। उन्होंने अपने प्रशंसकों और भोजपुरी सिनेमा प्रेमियों से अपील की कि धनतेरस के शुभ अवसर पर 6 नवंबर को फिल्म जरूर देखें और अपना प्यार एवं आशीर्वाद दें। भोजपुरी फिल्म ह्यमोटकी बहू पतरकी बहूह्ल की निमार्ता नेहा श्री हैं। फिल्म में नेहा श्री, शिल्पी राघवानी, जय यादव, रिकी सेठ, माया यादव, अनिता रावत, संजुक्ता राय, रूपा मिश्रा, अनूप अरोड़ा और अशोक गुप्ता प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत एवं निर्देशन रितेश ठाकुर ने किया है, जबकि कहानी मनोज के. कुशवाहा ने लिखी है। गीत अभिलाष कुमार और चंदन बाबू ने लिखे हैं। कार्यकारी निमार्ता प्रमोद पाण्डेय हैं। फिल्म का संकलन एवं रंग संयोजन अजय सिंह ने किया है। नृत्य निर्देशन कानू मुखर्जी और विवेक थापा ने किया है, जबकि पार्श्व संगीत राजा यादव का है। फिल्म के छायाकार ओम शांति, रूप-सज्जाकार प्रशांत श्री और ध्वनि अभियंता राज कुमार हैं। फिल्म का निर्माण नवीन स्टूडियो में हुआ है। इसका सहयोगी संस्थान एल डिस्ट्रिक्ट डू आर्ट प्राइवेट लिमिटेड और डिजिटल सहयोगी एडवाइज भोजपुरी है। कुल मिलाकर ह्यमोटकी बहू पतरकी बहूह्ल का डिजिटल प्रीमियर भोजपुरी दर्शकों के लिए धनतेरस का खास मनोरंजक उपहार बनने जा रहा है। पारिवारिक कहानी, शानदार कलाकारों और मनोरंजन से भरपूर प्रस्तुति के साथ यह फिल्म दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाने को तैयार है।

लगातार दूसरे दिन भी नगर निगम में तालाबंदी जारी

- **नगर आयुक्त के निलंबन के विरोध में पार्षदों एवं पार्षद प्रतिनिधियों का आक्रोश**

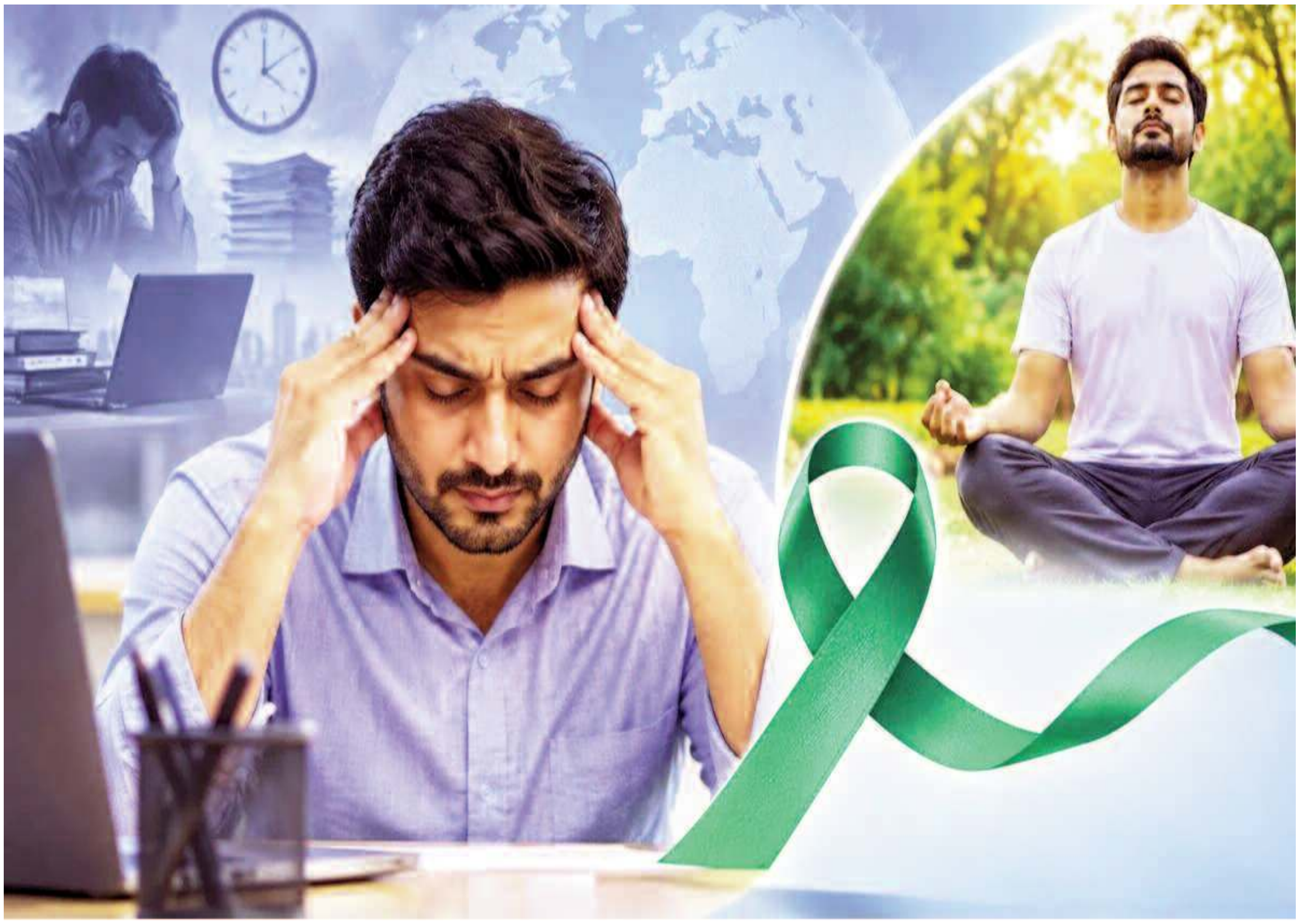
केटी न्यूज/सहरसा



नगर निगम के नगर आयुक्त प्रभात कुमार झा के निलंबन के विरोध में लगातार दूसरे दिन भी तालाबंदी जारी रही। इस दौरान नगर निगम के सम्मानित पार्षदों एवं पार्षद प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर अपना विरोध दर्ज कराया। नगर आयुक्त प्रभात कुमार झा के निलंबन की खबर से जनप्रतिनिधियों एवं निगम से जुड़े लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। पार्षदों एवं पार्षद प्रतिनिधियों का मानना है कि नगर निगम के प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने तथा शहर के विकास कार्यों को गति देने में नगर आयुक्त की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।नगर आयुक्त के कार्यकाल के दौरान शहर की स्वच्छता व्यवस्था, जलजमाव की समस्या के समाधान, सड़क एवं नाला निर्माण, तालाबों के सौंदर्यीकरण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता अभियान सहित नगर निगम की विभिन्न विकासात्मक एवं जनहितकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गईं।ऐसे समय में नगर आयुक्त के निलंबन से निगम के प्रशासनिक कार्यों एवं विकास योजनाओं पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को लेकर भी जनप्रतिनिधियों ने चिंता व्यक्त की है।लगातार दूसरे दिन जारी तालाबंदी के माध्यम से पार्षदों एवं पार्षद प्रतिनिधियों ने अपनी एकजुटता प्रदर्शित करते हुए नगर आयुक्त के निलंबन पर पुनर्विचार करने तथा उचित निर्णय लेने की मांग उठाई।

सहरसा नगर निगम का विकास, शहर की जनता का हित और जनप्रतिनिधियों की आवाज – इन सभी विषयों पर सकारात्मक पहल एवं संवाद की आवश्यकता है।

मन की शांति में ही जीवन की सच्ची समृद्धि



एजेंसी। नई दिल्ली

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मनुष्य ने संसार को सुविधाओं से भर दिया, लेकिन स्वयं के भीतर सुकून के लिए जगह कम कर ली। आज हमारे पास समय बचाने के असंख्य साधन हैं, पर समय का अभाव है, संवाद के अनगिनत माध्यम हैं, पर आत्मीयता का अकाल है, भौतिक समृद्धि के नए प्रतिमान हैं, लेकिन मानसिक शांति निरंतर दूर होती जा रही है। आधुनिक मनुष्य की इस विरोधाभासी स्थिति का सबसे बड़ा नाम है-तनाव। तनाव अब केवल मन की बेचैनी नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गंभीर सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक और वैश्विक चुनौती बन चुका है। इसी चुनौती के प्रति चेतना जगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 में इसकी थीम है- ह्यतनाव-मुक्ति और कल्याण के भविष्य को आकार देना तथा कार्यस्थल को फिर से मानवीय बनाना।ह्ल यह विषय हमें याद दिलाता है कि कार्यस्थल केवल उत्पादन और उपलब्धियों का केंद्र नहीं, बल्कि मनुष्य की संवेदनाओं, गरिमा और मानसिक स्वास्थ्य का भी स्थान होना चाहिए। आज का मनुष्य सुबह आंख खुलने से लेकर रात आंख बंद होने तक एक अदृश्य दौड़ में शामिल है। नौकरी की असुरक्षा, व्यवसाय की प्रतिस्पर्धा, आर्थिक अपेक्षाएं, पारिवारिक जिम्मेदारियां, बच्चों की शिक्षा, युवाओं के भविष्य की चिंता, बुजुर्गों का अकेलापन और सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव उसके मन को लगातार मथता रहता है। शिक्षा के क्षेत्र में अंक और प्रतियोगिता बच्चों के बचपन पर भारी पड़ रहे हैं। कार्यस्थलों पर लक्ष्य, समय-सीमा और प्रदर्शन का दबाव व्यक्ति को मशीन में बदलने लगा है। परिवारों में संवाद की जगह मोबाइल ने और आत्मीयता की जगह औपचारिकताओं ने ले ली है।इस व्यक्तिगत तनाव के ऊपर वैश्विक परिस्थितियों का बोझ भी कम नहीं है। युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं की खबरें मनुष्य के भीतर भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित करती हैं। दुनिया के किसी कोने में होने वाला संघर्ष अब केवल उस क्षेत्र की समस्या नहीं रहता, बल्कि संचार माध्यमों के कारण पूरी मानवता की सामूहिक चिंता बन जाता है। इस प्रकार तनाव की सीमाएं घर की चारदीवारी से निकलकर राष्ट्रों और महाद्वीपों तक फैल गई हैं। तनाव को यदि समय रहते समझा और नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह शरीर और मन दोनों की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। लगातार तनाव से नींद में गड़बड़ी, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी समस्याएं, पाचन संबंधी परेशानियां, चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाग्रता में कमी जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। तनाव मनुष्य की निर्णय क्षमता को कमजोर करता है और उसके संबंधों में कटुता घोल देता है। कहावत है-ह्यचिंता चिता समान है।ह्ल यह केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन का गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य है। चिंता भविष्य की अनिश्चितताओं को वर्तमान की खुशियों पर हावी कर देती है। इसलिए तनाव से मुक्ति का पहला कदम है-अपनी परिस्थितियों को स्वीकार करना, समस्याओं को पहचानना और उनके समाधान की दिशा में विवेकपूर्ण प्रयास करना। इस संदर्भ में जैन धर्म के महान आध्यात्मिक आचार्य आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा विकसित एवं व्यवस्थित की गई प्रेक्षाध्यान पद्धति तनावमुक्त जीवन का एक अत्यंत प्रभावशाली मार्ग प्रस्तुत करती है। प्रेक्षाध्यान का मूल भाव है-देखना, जागरूक होकर देखना और अपने भीतर घटित होने वाली प्रक्रियाओं को निष्पक्ष भाव से समझना। यह केवल आंखें बंद कर-के बैठने की क्रिया नहीं, बल्कि स्वयं से साक्षात्कार करने की वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक साधना है। आचार्य महाप्रज्ञ ने ध्यान, श्वास-प्रेक्षा, शरीर-प्रेक्षा, चौतन्य-केंद्र प्रेक्षा और अनुप्रेक्षा जैसे प्रयोगों के माध्यम से मनुष्य को अपने मन, शरीर और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा दी।प्रेक्षाध्यान का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष है-भावनात्मक संतुलन। क्रोध, भय, ईर्ष्या, आवेश और निराशा जैसी वृत्तियों को पहचानकर उनके परिष्कार का प्रयास करना तनाव प्रबंधन की दिशा में सार्थक कदम है। प्रतिदिन 15 से 20 मिनट का नियमित ध्यान, श्वास पर एकाग्रता और आत्मनिरीक्षण व्यक्ति के जीवन में धैर्य, सहनशीलता तथा मानसिक स्थिरता विकसित कर सकते हैं। इस साधना का संदेश है कि परिस्थितियों को हमेशा बदलना संभव नहीं, लेकिन परिस्थितियों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया बदलना हमारे हाथ में है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा भी तनावमुक्त जीवन का अनमोल दर्शन प्रस्तुत करती है। उपनिषदों का आत्मबोध, गीता का निष्काम कर्मयोग, भगवान महावीर का समता दर्शन, भगवान बुद्ध का मध्यम मार्ग और पतंजलि का अष्टांग योग मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाने की प्रेरणा देते हैं। गीता का संदेश है-कर्म करो, फल की चिंता में स्वयं को मत उलझाओ। इसका अर्थ कर्म से पलायन नहीं, बल्कि परिणाम के अनावश्यक भय से मुक्त होकर पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। योग, प्राणायाम, ध्यान, मौन, स्वाध्याय और नियमित दिनचर्या मनुष्य को मानसिक संतुलन प्रदान करने के प्रभावी माध्यम हैं। हमारी त्योहार संस्कृति भी तनाव के विरुद्ध एक सुंदर सामाजिक एवं सांस्कृतिक औषधि है। दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का संकल्प देती है। होली मन के पुराने विकारों और कटु स्मृतियों को रंगों में बहाकर संबंधों में नई आत्मीयता भरने का अवसर देती है। रक्षाबंधन रिश्तों की सुरक्षा और विश्वास का उत्सव है। ईद भाईचारे, सेवा और साझी खुशियों का संदेश देती है, तो क्रिसमस प्रेम, करुणा और क्षमा की प्रेरणा देता है। पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि, क्षमाभाव, संयम और आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करता है। विशेषकर क्षमापना का भाव मनुष्य के भीतर वर्षों से संचित कटुता और प्रतिशोध की गांठें खोल सकता है। त्योहारों का वास्तविक आनंद तभी है जब वे केवल बाहरी सजावट और खर्च तक सीमित न रहकर मनुष्यों को मनुष्यों के करीब लाएं। सामूहिक उत्सव, पारिवारिक मिलन, लोकगीत, संगीत, सेवा और प्रकृति के साथ जुड़ाव जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। तनावमुक्त समाज के निर्माण में कार्यस्थलों, शिक्षण संस्थानों और परिवारों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। कार्यालयों में मानवीय व्यवहार, काम और विश्राम के बीच संतुलन, सहकर्मियों के प्रति संवेदनशीलता तथा मानसिक स्वास्थ्य पर खुली बातचीत को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। विद्यालयों में बच्चों की तुलना करने के बजाय उनकी प्रतिभा को समझना आवश्यक है। परिवारों में एक-दूसरे को सुनने, साथ बैठने और भावनाओं को साझा करने की संस्कृति विकसित करनी होगी। पर्याप्त नींद, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, प्रकृति के सान्निध्य और डिजिटल माध्यमों के विवेकपूर्ण उपयोग को जीवनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। गंभीर या लगातार बने रहने वाले तनाव में मनोवैज्ञानिक अथवा योग्य चिकित्सक की सहायता लेने में भी संकोच नहीं करना चाहिए। वस्तुतः तनाव से मुक्ति का अर्थ चुनौतियों से भागना नहीं, बल्कि चुनौतियों के बीच भी स्वयं को संभालकर रखना है। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, परिस्थितियां बदलती रहेंगी, अपेक्षाएं जन्म लेती रहेंगी, लेकिन इन सबके बीच मनुष्य अपने भीतर शांति का एक ऐसा दीप जला सकता है, जिसकी रोशनी बाहरी अंधेरों से प्रभावित न हो। हमें समझना होगा कि सफलता का अर्थ केवल अधिक पाना नहीं, बल्कि जो प्राप्त है उसमें संतोष, संबंधों में मधुरता और मन में संतुलन बनाए रखना भी है। अंततः जीवन की सार्थकता इस बात में नहीं कि हमने कितनी ऊंचाइयां छुईं, बल्कि इस बात में है कि उन ऊंचाइयों तक पहुंचते हुए अपने भीतर की शांति कितनी बचाकर रखी। तनाव को जीवन का स्वामी नहीं, अपनी जागरूकता से नियंत्रित की जाने वाली स्थिति बनाना ही इस दिवस का वास्तविक संदेश है। आइए, हम ऐसी जीवनशैली और ऐसी सामाजिक संस्कृति का निर्माण करें, जहां प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग, उपलब्धियों से अधिक आत्मीयता और भौतिक प्रगति से अधिक मानवीय संवेदनाओं का सम्मान हो। क्योंकि स्वस्थ मन ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और शांतिपूर्ण विश्व की आधारशिला है।

प्रेक्षाध्यान का मूल भाव है-देखना, जागरूक होकर देखना और अपने भीतर घटित होने वाली प्रक्रियाओं को निष्पक्ष भाव से समझना। यह केवल आंखें बंद करके बैठने की क्रिया नहीं, बल्कि स्वयं से साक्षात्कार करने की वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक साधना है। आचार्य महाप्रज्ञ ने ध्यान, श्वास-प्रेक्षा, शरीर-प्रेक्षा, चौतन्य-केंद्र प्रेक्षा और अनुप्रेक्षा जैसे प्रयोगों के माध्यम से मनुष्य को अपने मन, शरीर और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा दी।प्रेक्षाध्यान का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष है-भावनात्मक संतुलन। क्रोध, भय, ईर्ष्या, आवेश और निराशा जैसी वृत्तियों को पहचानकर उनके परिष्कार का प्रयास करना तनाव प्रबंधन की दिशा में सार्थक कदम है। प्रतिदिन 15 से 20 मिनट का नियमित ध्यान, श्वास पर एकाग्रता और आत्मनिरीक्षण व्यक्ति के जीवन में धैर्य, सहनशीलता तथा मानसिक स्थिरता विकसित कर सकते हैं। इस साधना का संदेश है कि परिस्थितियों को हमेशा बदलना संभव नहीं, लेकिन परिस्थितियों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया बदलना हमारे हाथ में है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा भी तनावमुक्त जीवन का अनमोल दर्शन प्रस्तुत करती है। उपनिषदों का आत्मबोध, गीता का निष्काम कर्मयोग, भगवान महावीर का समता दर्शन, भगवान बुद्ध का मध्यम मार्ग और पतंजलि का अष्टांग योग मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाने की प्रेरणा देते हैं। गीता का संदेश है-कर्म करो, फल की चिंता में स्वयं को मत उलझाओ। इसका अर्थ कर्म से पलायन नहीं, बल्कि परिणाम के अनावश्यक भय से मुक्त होकर पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करना है।

इंडी गठबंधन के नेतृत्वकताओं में क्लैरिटी, कैपेसिटी और क्रेडिबिलिटी का अभाव : मुख्यमंत्री



♦ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस व इंडी गठबंधन पर किया कड़ा प्रहार

एजेंसी। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि इनके नेतृत्वकताओं में स्पष्टता, क्षमता और विश्वसनीयता का पूरा अभाव है। जनादेश का अनादर इसी सोच का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनावों में हार के नए रिकॉर्ड बना रही कांग्रेस और इंडी गठबंधन की हताशा अब अराजकता की राजनीति में बदल गई है। इनके नेतृत्वकताओं में स्पष्टता, क्षमता और विश्वसनीयता का पूरा अभाव है का पूरा अभाव बुधवार को कांग्रेस व इंडी गठबंधन पर करारा प्रहार किया। है। जनादेश का अनादर इसी सोच का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अराजकता के विरुद्ध जनजागरण और लोकतंत्र की गरिमा की रक्षा का संकल्प लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ गोरखपुर में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में सहभागिता करूंगा। मुख्यमंत्री ने एक तरफ कांग्रेस व इंडी गठबंधन की अराजकता पर सवालिया निशान उठाया तो दूसरी तरफ देशवासियों को आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम भारत के महान लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेठी : चलती ट्रेन में गर्भवती महिला ने दिया बेटे को जन्म, जच्चा -बच्चा दोनों स्वस्थ



एजेंसी। अमेठी, 04 नवंबर (हि.स.)। दिल्ली से प्रतापगढ़ जा रही पद्मावत एक्सप्रेस में बुधवार को उस समय किलकारी गूंज उठी, जब एक गर्भवती महिला ने चलती ट्रेन में बच्चे को जन्म दिया। अमेठी रेलवे स्टेशन पहुंचने से पहले ही महिला का प्रसव हो गया। ट्रेन में मौजूद महिलाओं ने प्रसव के दौरान उसकी मदद की । रेलवे पुलिस ने अमेठी स्टेशन पर महिला और नवजात को उतारकर स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। इसके बाद 108 एंबुलेंस और स्वास्थ्य कर्मियों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमेठी पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों की निगरानी में मां और नवजात दोनों स्वस्थ हैं। प्रतापगढ़ जनपद के सांगीपुर थाना क्षेत्र के पूरे छोटी असाई, अमावा निवासी निर्मला वर्मा (35) पत्नी हरिकेश कुमार दिल्ली से प्रतापगढ़ जाने के लिए पद्मावत एक्सप्रेस में सवार हुई थीं। वह अपने पति के साथ दिल्ली में रहती हैं। मंगलवार शाम उनके पति उन्हें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में बैठाकर वापस लौट गए थे। इसके बाद निर्मला अकेले ही गर्भावस्था में प्रतापगढ़ के लिए रवाना हुई थीं। यात्रा के दौरान रास्ते में अचानक निर्मला देवी को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। स्थिति को देखते हुए ट्रेन में मौजूद महिलाओं ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए उनकी मदद की। इसी दौरान महिला ने सामान्य प्रसव के जरिए एक बेटे को जन्म दिया। ट्रेन में बच्चे के जन्म की जानकारी मिलने पर रेलवे पुलिस सक्रिय हुई और अमेठी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पहुंचने पर महिला तथा नवजात को सुरक्षित उतारा गया। रेलवे पुलिस की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमेठी को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस और स्वास्थ्य कर्मी मौके पर पहुंचे। इसके बाद जच्चा-बच्चा को तत्काल सीएचसी अमेठी लाया गया। यहां मेडिकल ऑफिसर प्रीति सिंह की निगरानी में दोनों का उपचार और स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।मेडिकल ऑफिसर प्रीति सिंह ने बताया कि मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। एहतियात के तौर पर उन्हें 24 घंटे के ऑब्जर्वेशन में रखा गया है। महिला के परिजन भी अस्पताल पहुंच चुके हैं। सब कुछ सामान्य रहने पर 24 घंटे बाद दोनों को अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। नवजात की देखभाल कर रहीं नर्स सिस्टर पूनम मिश्रा ने बताया कि जब बच्चे को अस्पताल लाया गया तो उसकी नाल जुड़ी हुई थी। स्वास्थ्य कर्मियों ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए नाल को अलग किया और बच्चे की साफ-सफाई कर उसे दूध पिलाया। इसके बाद नवजात को वार्मर में रखा गया। उन्होंने बताया कि बच्चे का वजन 1 किलो 840 ग्राम है।

सुलतानपुर : नायब तहसीलदार और लेखपालों पर हमला करने वाले 5 बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, तीन घायल



एजेंसी। सुलतानपुर

उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में खनन माफियाओं द्वारा नायब तहसीलदार और दो लेखपालों पर हमले के आरोपित को पुलिस ने बुधवार सुबह एक के बाद एक दो स्थानों पर मुठभेड़ में दो सगे भाइयों समेत तीन को पैर में गोली लगी। पुलिस ने कुल पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पिस्टल, तमंचा, गाड़ियां और डंपर बरामद हुआ है। कोतवाली नगर के खैचला गाँव में पहली मुठभेड़ की घटना पुलिस ने राहुल सिंह, नौशाद और मनोज सिंह को गिरफ्तार किया। राहुल सिंह के पैर में गोली लगी। पुलिस के अनुसार राहुल सिंह अमिलिया कला, थाना कोतवाली नगर का रहने वाला है। वहीं नौशाद प्रतापपुर, थाना बंधुआकला का निवासी है जबकि मनोज सिंह रवनिया, थाना करौंदीकला में रहता है। पुलिस ने इनके पास से 32 बोर की एक पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और स्कॉर्पियो कार जब्त की। पुलिस के मुताबिक, राहुल सिंह के खिलाफ सुलतानपुर जिले के अलग-अलग थानों में 10 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इनके पास से अवैध मिट्टी खनन में इस्तेमाल किए गए चार डंपर भी मिलने की बात कही। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बुधवार को बताया कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत राजस्व टीम पर हुए हमले में वांछित आरोपित की अखंडनगर थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाश की मठभेड़ मे गोली लगने से दो आरोपित घायल हुए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों के पैर में गोली लगी। आरोपितों की पहचान संदीप सिंह और प्रशान्त सिंह के रूप में की है। संदीप सिंह अमिलिया कला, थाना कोतवाली नगर का निवासी है। प्रशान्त सिंह नकाहा महमूदपुर, थाना गोसाईगंज का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, दोनों कोतवाली नगर थाना क्षेत्र में खनन और राजस्व टीम पर हमले के मामले में यह सभी आरोपित वांछित थे। मौके से 315 बोर का एक देशी तमंचा, .12 बोर का एक देशी तमंचा, दोनों बोर के एक-एक जिंदा कारतूस और एक-एक खोखा कारतूस जब्त किया गया। पुलिस को घटना में इस्तेमाल बिना नंबर प्लेट की काली थार कार भी मिली। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों में से संदीप सिंह के खिलाफ पहले से छह मामले दर्ज हैं।

पंजाब नेशनल बैंक के खाते से करोड़ों रुपये के घोटाले के आरोप में बैंक कर्मचारी और सहायक गिरफ्तार



एजेंसी। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के एच्छर गांव में स्थित पंजाब नेशनल बैंक के खातों से 10.24 करोड़ रुपये गायब करने के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें बैंक शाखा की एक महिला ऑफिस असिस्टेंट दीपांशी और उसका निजी सहयोगी आशुतोष कुमार पाठक शामिल है। आरोप है कि दोनों ने मिलीभगत कर ग्राहकों के खातों से बिना अनुमति के रकम निकाली और उसे हड़प लिया। सीबीआई ने आशुतोष को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है। वहीं दीपांशी की गिरफ्तारी की लोकेशन सीबीआई ने अभी साफ नहीं की है। सीबीआई के मुताबिक, मंगलवार को गिरफ्तारी के बाद आशुतोष पाठक को पुणे की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसकी ट्रांजिट रिमांड हासिल कर ली गई है। अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रकम के लेनदेन, अन्य संदिग्धों की भूमिका की जांच की जा रही है। आरोप है कि दीपांशी ने आशुतोष और अन्य अज्ञात लोगों के साथ मिलीभगत और साजिश कर करोड़ों रुपये खातों से निकालकर दूसरी जगह ट्रांसफर किए। बैंक खातों से बिना अधिकृत अनुमति के डेबिट ट्रांजैक्शन किए गए। इसी शिकायत के आधार पर सीबीआई ने 29 अक्टूबर 2026 को केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। अब जांच के दौरान दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। सीबीआई ने आज जारी अपनी एक प्रेस रिलीज में स्पष्ट किया है कि मामले की जांच अभी जारी है। दर्ज केस में महिला कार्यालय सहायक के साथ एक निजी व्यक्ति और अन्य अज्ञात लोगों की मिलीभगत का आरोप लगाया गया है। ऐसे में जांच एजेंसी दोनों आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि खातों से निकाली गई रकम किन खातों में भेजी गई और इस पूरी प्रक्रिया में अन्य कौन-कौन लोग शामिल थे। साथ ही बैंक के आंतरिक लेनदेन, अनधिकृत डेबिट और रकम के ट्रांसफर से जुड़े पहलुओं की भी जांच की जाएगी।

खाद्य पदार्थ तैयार करते समय कारीगरों एवं सहायकों को मास्क, हैंड ग्लब्स पहनना अनिवार्यः जिलाधिकारी



एजेंसी। फरुर्खाबाद

उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जनपद की जिलाधिकारी डॉ अंकुर लाठर की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने, मिलावट पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रवर्तन संबंधी कार्यवाहियों में तेजी लाई जाए। शासन द्वारा निर्धारित निदेशों के अनुरूप खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं विक्रय से जुड़े प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण करते हुए अधिक से अधिक खाद्य नमूने संग्रहित किए जाएं। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं गुणवत्ता से संबंधित अनियमितताओं को किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नमूनों की प्रयोगशाला जांच में खाद्य पदार्थ असुरक्षित अथवा मानक के अनुरूप नहीं पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कठोर एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से मिठाई विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों पर निगरानी रखने के निर्देश देते हुए कहा कि मिठाई के डिब्बों पर उपयोग की तिथि (वरी इट उंज़ी) अंकित करना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया जाए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी निरीक्षण के दौरान इस बात की जांच करें कि प्रतिष्ठानों द्वारा मिठाई के डिब्बों पर निर्धारित उपयोग तिथि स्पष्ट रूप से अंकित की जा रही है अथवा नहीं। यदि जांच के दौरान मिठाई के डिब्बों पर उपयोग की तिथि अंकित नहीं पाई जाती है तो संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध नियमानुसार चालान की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं विक्रय से जुड़े प्रतिष्ठानों में स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि खाद्य पदार्थ तैयार करते समय कारीगरों एवं उनके सहायकों द्वारा अनिवार्य रूप से मास्क, हैंड ग्लव्स, फुट कवर एवं हेड कैप का प्रयोग किया जाए। खाद्य पदार्थों को तैयार करने, रखने एवं पैकिंग करने के स्थानों पर साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। प्रतिष्ठान संचालक यह सुनिश्चित करें कि खाद्य सामग्री किसी भी प्रकार से दूषित न हो तथा खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी निर्धारित मानकों का पूर्ण पालन किया जाए।

एसटीएफ ने बुलंदशहर रेलवे स्टेशन से 50 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया



एजेंसी। बुलंदशहर

उत्तर प्रदेश की स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) की मेरठ इकाई ने मंगलवार की देर रात को 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार इनामी आरोपित बागपत जिले से गैंगस्टर एक्ट फरार चल रहा था। एसटीएफ फील्ड इकाई मेरठ के अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि बागपत जिले के दोघट थानाक्षेत्र में गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में फरार मेरठ निवासी अरबाज को बुलंदशहर के बराल रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में इनामी आरोपित अरबाज ने बताया कि वह मेरठ में जाकिर कालोनी में कबाड़ी की दुकान पर काम करता था। जनवरी 2024 में दुकान पर शामली निवासी मनोज और अक्षय चोरी का सामान बेचने के लिए आये थे। यहीं पर उन दोनों से उसकी जान पहचान हो गई और वह भी उनके साथ मिलकर चोरी करने लगा। साल 2024 के मार्च माह में उसने अपने साथी मनोज और अक्षय के साथ मिलकर बागपत में बिजली तार की चोरी की थी। इस संबंध में दोघट थाना में मुकमा दर्ज हुआ था और वह जेल भी गया था। एएसपी ने बताया कि जब इन सभी आरोपितों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज हुआ तो गिरफ्तारी से बचने के लिए इधर-उधर छिपकर रहे थे। गिरफ्तार अरबाज पर 50 हजार का इनाम था। एसटीएफ ने उसे गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई के लिए बागपत पुलिस के सुपुर्द किया है।

कुशीनगर : नारायणी रॉकेट्री कप में दिखी वैज्ञानिक सोच, बच्चों के प्रयोगों से लेकर विशेषज्ञों की तकनीकी कसौटी तक रही चर्चा



एजेंसी। कुशीनगर

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जनपद के नारायणी नदी के तट पर पिपराघाट जंगली पट्टी में आयोजित इन-स्पेस नारायणी रॉकेट्री कप 2026 का मंगलवार को समापन हो गया। चार दिनों तक चले इस राष्ट्रीय आयोजन में मॉडल रॉकेट्री प्रतियोगिता का खिताब अहमदाबाद की निरमा यूनिवर्सिटी ने अपने नाम किया, जबकि कैनसैट इंडिया स्टूडेंट कंप्टीशन में चेन्नई के डॉ. एमजीआर एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की टीम ने पहला स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में देश के 17 राज्यों की 76 छात्र टीमों ने हिस्सा लिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपने तकनीकी कौशल, वैज्ञानिक सोच और नवाचार का प्रदर्शन किया। आयोजन में 43 कैनसैट और 18 मॉडल रॉकेट लॉन्च किए गए। अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े इस आयोजन में विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ स्थानीय स्कूली बच्चों की भागीदारी भी आकर्षण का केंद्र रही। कैनसैट प्रतियोगिता में भुवनेश्वर की सीवी रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी की टीम दूसरे और बेंगलुरु के बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की टीम तीसरे स्थान पर रही। मॉडल रॉकेट्री में कोयंबटूर के करुण्या इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज ने दूसरा और दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कैनसैट श्रेणी में जम्मू की सेंट्रल यूनिवर्सिटी को बेस्ट टीम और बिट्स पिलानी के हैदराबाद परिसर को बेस्ट डिजाइन अवार्ड दिया गया। वहीं, मॉडल रॉकेट्री में मुंबई के द्वारकादास जे. संघवी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को बेस्ट टीम और पुणे के पिंपरी चिंचवड़ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को बेस्ट डिजाइन अवार्ड मिला। दोनों प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को ईवी सोसाइटी बेंगलुरु की ओर से पुरस्कृत किया गया। आईटेलीमैटिक्स सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड आयोजन का उद्योग साझेदार रहा। इन-स्पेस की ओर से आयोजित तीसरी कैन-7यूसेट इंडिया स्टूडेंट कंप्टीशन और दूसरी नेशनल मॉडल रॉकेट्री इंडिया स्टूडेंट कंप्टीशन में विद्यार्थियों ने रॉकेट और कैनसैट के डिजाइन, निर्माण और परीक्षण की पूरी प्रक्रिया में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कुल 61 लॉन्चिंग हुईं। इनके प्रदर्शन का मूल्यांकन इसरो, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), इन-स्पेस, उद्योग और शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञों की समितियों ने किया। विशेषज्ञों ने केवल सफल लॉन्चिंग ही नहीं, बल्कि उपकरणों की तकनीकी क्षमता, डिजाइन, नवाचार, उड़ान के दौरान स्थिरता और सुरक्षित वापसी को भी परखा। इन-स्पेस के निदेशक (प्रमोशन निदेशालय) डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों के समर्पण और सालभर की मेहनत से प्रतियोगिता का यह संस्करण सफल रहा। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी क्षमता परखने, व्यावहारिक अनुभव से सीखने और भारत के बढ़ते अंतरिक्ष तंत्र में योगदान देने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए विद्यार्थियों को शुरूआती स्तर से ही प्रयोग और तकनीक से जोड़ना जरूरी है। इसरो के पूर्व एसोसिएट निदेशक और मॉडल रॉकेट्री मूल्यांकन समिति के प्रमुख रॉय एम. चेरियन ने कहा कि रॉकेट्री और उपग्रह प्रणालियां जटिल इंजीनियरिंग प्रणालियां हैं। इनके निर्माण में गाइडेंस, संचार और नियंत्रण जैसे कई तकनीकी विषयों का समन्वय जरूरी होता है। विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में उपयोगी विचार और तकनीकी क्षमता दिखाई है। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने डिजाइन में सुधार करने और व्यावहारिक पहलुओं पर अधिक ध्यान देने की सलाह दी। साथ ही कहा कि पुरस्कार प्राप्त करने वाली टीमों के अलावा अन्य प्रतिभागियों के प्रयास भी सराहनीय हैं। देवरिया लोकसभा क्षेत्र के सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने वीडियो संदेश के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने क्षेत्र में स्थायी अंतरिक्ष प्रयोग केंद्र स्थापित करने की आकांक्षा जताई। कहा कि ऐसा केंद्र स्थापित होने से स्थानीय युवाओं को पूरे वर्ष रॉकेट्री और अन्य वैज्ञानिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को वास्तविक तकनीकी चुनौतियों से परिचित कराने और वैज्ञानिक नवाचार को समुदायों तक पहुंचाने का माध्यम बन सकती हैं। उन्होंने आयोजन से क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलने वाले अवसरों को महत्वपूर्ण बताया। बता दें कि सांसद शशांक मणि त्रिपाठी की पहल पर वर्ष 2025 से यहां रॉकेट्री प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। पिछले वर्ष प्रतियोगिता में 24 कैनसैट और 13 मॉडल रॉकेट लॉन्च किए गए थे।

इंडस टॉवर्स ने 50 हजार सोलर संचालित टेलीकॉम साइट्स के साथ रचा नया इतिहास



एजेंसी। नई दिल्ली

दूरसंचार टॉवर अवसंरचना कंपनी इंडस टॉवर्स लिमिटेड ने पूरे भारत में 50 हजार सौर-संचालित टेलीकॉम साइट्स को स्थापित कर-के एक नया विश्व कीर्तिमान रचा है। पैसिव टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में इतनी बड़ी संख्या में सौर ऊर्जा प्रणाली को तैनात करने वाली ये दुनिया की पहली कंपनी बन गई है। कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि इंडस टॉवर्स लिमिटेड ने भारत में 50 हजार सोलर संचालित टेलीकॉम साइट्स को सफलतापूर्वक स्थापित किया है। इसके साथ ही इंडस टॉवर्स व्यापक स्तर पर संधारणीय अवसंरचनाओं में वैश्विक मानक स्थापित करने वाली पहली पैसिव टेलीकॉम अवसंरचना कंपनी बन गई है। भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए कंपनी का लक्ष्य एक लाख टेलीकॉम साइट्स को भी सोलर संचालित करना है, जिससे संधारणीय टेलीकॉम अवसंरचना के क्षेत्र में कंपनी की स्थिति और मजबूत हो जाएगी। दूरसंचार टॉवर अवसंरचना कंपनी ने बताया कि लगभग 300 मेगावाट की कुल स्थापित सोलर क्षमता वाले इस पहल की सहायता से ही टेलीकॉम अवसंरचना क्षेत्र में एक बड़े वितरित नवीकरणीय ऊर्जा पारिस्थितिकी का जन्म भी हो पाया है। इंडिस टॉवर्स के आंकलन के अनुसार इसका पर्यावरणीय प्रभाव लगभग 2 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है, जबकि पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भरता कम करके, यह परियोजना सालाना करीब 420,000 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इस वैश्विक कीर्तिमान पर बात करते करते हुए इंडस टॉवर्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ प्रचुर साह ने कहा कि 50 हजार सोलर संचालित टेलीकॉम साइट्स के साथ करीब 300 मेगावाट की सोलर क्षमता का आंकड़ा प्राप्त करना केवल एक व्यावसायिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह संधारणीय टेलीकॉम अवसंरचना के विकास में एक ऐतिहासिक मोड़ है। प्रचुर साह ने कहा कि हमने यह साबित कर दिखाया है कि नवाचार, टेक्नोलॉजी और संधारणीयता को साथ में लेकर चलना, उद्योग और पर्यावरण दोनों के लिए कितना बड़ा और सकारात्मक बदलाव ला सकता है। उन्होंने कहा कि यह न केवल स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने, कार्बन उत्सर्जन को घटाने, बल्कि हमारे नेटवर्क को अधिक मजबूत बनाने में भी फायदेमंद साबित होगा। यह उपलब्धि जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने के हमारे संकल्प को दशार्ती है। हमारा पूरा ध्यान अब 100,000 टेलीकॉम साइट्स को सोलर संचालित बनाने के अपने बड़े लक्ष्य पर है, ताकि ऊर्जा लागत को अनुकूलित करने के साथ-साथ संधारणीय डिजिटल अवसंरचना के मानकों को नए सिरे से परिभाषित किया जा सके। साह ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस यात्रा के दौरान हमने जो विशेषज्ञता, परिचालन मॉडल और टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म विकसित किए हैं, उनकी सहायता से हम अफ्रीका में भी इसी तरह की सफलता प्राप्त कर सकते हैं, जहां डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए विश्वसनीय और संधारणीय ऊर्जा समाधानों की अत्यंत आवश्यकता है। हमने विशाल पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को स्थापित और प्रबंधित करने की अपनी क्षमता का प्रमाण दिया है। हमें यकीन है कि इससे वैश्विक स्तर पर संधारणीय टेलीकॉम इकोसिस्टम बनाने और उद्योग में नए मानक स्थापित करने में हमें अवश्य ही लाभ होगा। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि फ्यूचर-रेडी टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में इंडस टॉवर्स की अग्रणी भूमिका को उजागर करती है, जो संधारणीयता और परिचालन क्षमता का एक बेहतरीन तालमेल है। अपने नेटवर्क में अत्याधुनिक नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों, डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम और डेटा-ड्रिवेन मेंटेनेंस क्षमताओं को एकीकृत करके, कंपनी डीजल पर अपनी निर्भरता को कम कर रही है, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ा रही है और हरित कनेक्टिविटी की दिशा में बदलाव को रफ़्तार दे रही है।

कार्वर रोबोवेल्ड की स्टॉक मार्केट में शानदार शुरूआत, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स सेक्टर की कंपनी कार्वर रोबोवेल्ड लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरूआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 80 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 12.50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 90 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर की स्थिति में और तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से कुछ देर में ही ये शेयर उछल कर 94.50 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 14.50 रुपये यानी 18.13 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस आईपीओ के लिए 1,600 शेयर का लॉट साइज तय किया गया था। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति लॉट 23,200 रुपये तक का फायदा हो गया। इस कंपनी का 28.29 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से बढ़िया रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 18.40 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 26.32 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 40.40 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 19.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 35,36,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए फंड में से 11.99 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी वेल्डिंग रोबोट की खरीद के लिए अपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इसके अलावा 8.60 करोड़ रुपये का उपयोग बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कंपनी द्वारा लिए गए कर्जों की किस्तों के रीपेमेंट और प्रीपेमेंट के लिए किया जाएगा।

धनतेरस के पहले सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। माना जा रहा है कि सोने के भाव में धनतेरस और दिवाली की वजह से तेजी का ये माहौल बना है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। शुरूआती कारोबार में आज भी ये चमकीली धातु सोमवार के भाव पर ही बिक रही है। भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,28,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के पुराने स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जितिन प्रसाद का पोलैंड दौरा, आर्थिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हुई चर्चा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने पोलैंड की राजधानी वारसॉ का आधिकारिक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के लिए कई उच्च-स्तरीय बातचीत कीं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। जितिन प्रसाद ने 2-3 नवंबर को दो दिवसीय पोलैंड यात्रा के दौरान पोलैंड की राजधानी वारसॉ में प्रमुख उद्योग जगत के नेताओं के साथ कई उच्चस्तरीय बैठकें कर रक्षा, अंतरिक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत-पोलैंड सहयोग को मजबूत करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। प्रसाद ने कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया। केंद्रीय मंत्री ने भारत-पोलैंड व्यापार साझेदारी को मजबूत करने का भी आह्वान किया और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के तहत अवसरों पर प्रकाश डाला। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि जितिन प्रसाद के साथ में 12 भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधियों वाला एक व्यापार प्रतिनिधिमंडल था। इस दौरे का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी साझेदारी को भी मजबूत करना था। दौरे के दौरान मंत्री ने पोलैंड के उप-प्रधानमंत्री और डिजिटल मामलों के मंत्री क्रिस्तोफ गाव्कोव्स्की के साथ एआई, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

स्टॉक मार्केट में एमके संस फाइन ज्वेल्स की मामूली बढ़त के साथ एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी। नई दिल्ली

जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर की कंपनी एमके संस फाइन ज्वेल्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरूआत करने में सफल रहे। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 162 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 5.93 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 171.60 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 5.56 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 171 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 175 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये ऊपरी स्तर से नीचे गिर कर 163.11 रुपये के स्तर तक आ गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 164.54 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 2.54 रुपये यानी 1.57 प्रतिशत का मामूली फायदा हो सका है। इस कंपनी का 275.40 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.81 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 13.84 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस इश्यू के तहत लगभग 220.32 करोड़ रुपये मूल्य के 1.36 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि प्रमोटर द्वारा 55.08 करोड़ रुपये मूल्य के 34 लाख शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए की गई है। आईपीओ में ओएफएस के जरिये जुटाई गई पूरी रकम प्रमोटर रामचंद्र मुरलीधर रायमलानी के पास जाएगी।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

एजेंसी। नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए थे। वहीं डाउ जोन्स फ्यूचर्स आज सुबह गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान कमजोरी का माहौल बना रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई थी। वहीं एशियाई बाजार से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं, हालांकि भारतीय बाजार के लिए शुरूआती संकेत बेहतर नजर आ रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र में मजबूती का रुख देखने को मिला।



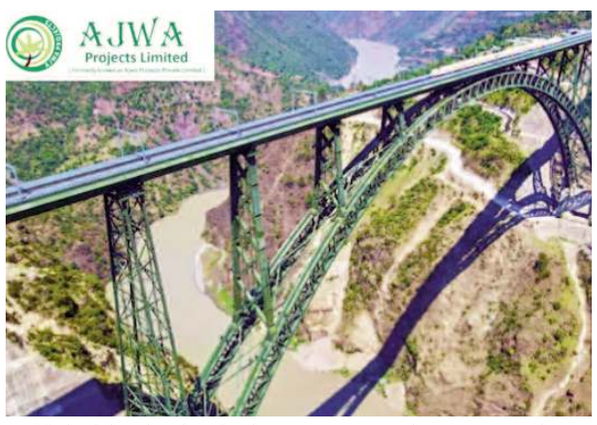
एसएंडपी 500 इंडेक्स 27.85 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,569.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं टेक कंपनियों से जुड़े नैस्डैक कंपोजिट ने भी 207.69 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,372.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत, आज सुबह डाउ जोन्स फ्यूचर्स फिलहाल दबाव में नजर आ रहा है। यह सूचकांक 405.65 अंक यानी 0.78 प्रतिशत टूट कर 51,381.07 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाल हावी रहे। ब्रिटेन का एफटीएसई इंडेक्स 122.90 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज करते हुए 10,638.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह जर्मनी के डीएएक्स इंडेक्स ने 116.47 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,864.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं फ्रांस का सीएसी इंडेक्स 27.38 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की सुस्ती के साथ 8,020.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ। ग्लोबल मार्केट के इन संकेतों के बीच एशियाई बाजार में आज सुबह भारी बिकवाली का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से सिर्फ एक सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है, जबकि आठ सूचकांक बिकवाली के भारी दबाव में लाल निशान में बने हुए हैं। राहत की बात यह है कि भारतीय बाजार के लिए शुरूआती संकेत देने वाले गिफ्ट निफ्टी में आज सुबह तेज उछाल का रुख बना हुआ है, जो घरेलू बाजार के लिए बेहतरीन संकेत हैं।

अजवा प्रोजेक्ट्स ने निवेशकों को किया निराश

फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी। नई दिल्ली

सिविल कंस्ट्रक्शन सेक्टर की कंपनी अजवा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। इन निवेशकों को उस समय और झटका लगा, जब बिकवाली के दबाव में इस शेयर पर लोअर सर्किट लग गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 203 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 203 रुपये के स्तर पर हुई। फ्लैट लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये शेयर इश्यू प्राइस से भी नीचे आ गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये शेयर कुछ देर में ही फिसल कर 192.85 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के



आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 10.15 रुपये यानी 5 प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस कंपनी का 38.05 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.12 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन पूरी तरह से सब्सक्राइब भी नहीं हो सका। इस पोर्शन में सिर्फ 33 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18,74,400 शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसमें 30.45 करोड़ रुपये मूल्य के 15 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि प्रमोटरों द्वारा 7.60 करोड़ रुपये मूल्य के 3,74,400 शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए की जा रही है। आईपीओ में ओएफएस के जरिये जुटाई गई पूरी रकम बेचने वाले प्रमोटर्स के पास जाएगी। इस आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए फंड में से 8.10 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी प्लांट व मशीनरी और ट्रांसपोर्टेशन व्हीकल खरीदने के साथ ही परिसंपत्तियां खरीदने के लिए अपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इसके अलावा 9.35 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया कर्जों के रीपेमेंट और प्रीपेमेंट के लिए किया जाएगा। इसी तरह चार करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के लिए और शेष बची हुई राशि सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने व आईपीओ खर्चों की भरपाई करने के लिए उपयोग की जाएगी। अजवा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कंपनी द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों में दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले वित्त वर्षों के दौरान शानदार सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.95 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 3.28 करोड़ रुपये हो गया और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 65 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 5.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून तक कंपनी को 1.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 34.38 करोड़ रुपये का कुल राजस्व (टोटल इनकम) प्राप्त हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 36.87 करोड़ रुपये हो गया और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 32 प्रतिशत की मजबूत बढ़त के साथ 48.56 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून तक कंपनी को 12.44 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी के विस्तार के साथ उस पर लदे कर्ज के बोझ में मिला-जुला रुख देखने को मिला है। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर कुल 10.85 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घटकर 7.96 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि, अगले वित्त वर्ष 2025-26 में यह दोबारा बढ़कर 12.52 करोड़ रुपये हो गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून तक कंपनी पर कुल 13.84 करोड़ रुपये का कर्ज दर्ज किया गया था। कंपनी की कुल संपत्ति (टोटल एसेट्स) में भी इस दौरान मजबूती बनी रही। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी की कुल संपत्ति 25 करोड़ रुपये के स्तर पर थी, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 25.57 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2025-26 में और बढ़त के साथ 36.37 करोड़ रुपये हो गई। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के अंत यानी 30 जून तक कंपनी की कुल संपत्ति 41.97 करोड़ रुपये दर्ज की गई। रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो कंपनी ने इस मोर्चे पर भी लगातार मजबूती हासिल की है। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 8.81 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में 8.29 करोड़ रुपये रहने के बाद अगले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में बढ़कर 13.71 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून तक यह और बढ़कर 15.27 करोड़ रुपये हो चुका था। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी लगातार इजाफा दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का नेटवर्थ 8.90 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 12.29 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 17.71 करोड़ रुपये हो गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के अंत यानी 30 जून तक कंपनी का नेटवर्थ 19.27 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया, कोहली ने जड़ा अर्धशतक

एजेंसी। ऑकलैंड

भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में पांच विकेट से हरा दिया। ऑकलैंड के ईडन पार्क स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मेजबान टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई। इसके बाद बारिश के कारण भारतीय टीम को डकवर्थ लुईस नियम (डीएलएस) के तहत जीत के लिए 32 ओवर में 143 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। भारतीय टीम ने 22.4 ओवर में पांच विकेट पर 143 रन बनाते हुए इसे हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच अगला वनडे सात नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा। भारत की जीत के नायक स्टार बल्लेबाज विराट कोहली रहे, जिन्होंने 51 गेंदों में 13 चौकों और एक छक्के की मदद से 74 रन की शानदार पारी खेली। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने चार विकेट लेकर न्यूजीलैंड की कमर तोड़ दी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और पूर्व कप्तान विराट कोहली ने पारी को संभाला और तेजी से रन बटोरे। हालांकि, बारिश के कारण मुकाबले में दो बार रुकावट आई।



पहली बार 10.5 ओवर के बाद खेल रोका गया। बारिश थमने पर मैच को 40 ओवर का कर दिया गया और भारत के सामने 167 रन का संशोधित लक्ष्य रखा गया, लेकिन कुछ ही देर बाद दोबारा बारिश शुरू हो गई। खेल फिर शुरू होने पर भारतीय टीम को 32 ओवर में 143 रन बनाने का लक्ष्य मिला। इसके बाद विराट कोहली ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 35 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनके वनडे करियर का 80वां अर्धशतक रहा। दूसरे छोर पर शुभमन गिल ने उनका अच्छा साथ दिया। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 113 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई। भारत को 114 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। शुभमन गिल 56 गेंदों में 37 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विराट कोहली भी 51 गेंदों में 74 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।अक्षर पटेल बिना खाता खोले आउट हो गए। श्रेयस अय्यर ने 15 रन का योगदान दिया। अंत में नमन धीर ने चौका लगाकर भारत को जीत दिला दी। केएल राहुल तीन और नमन धीर पांच रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से जैकब डफी ने तीन विकेट लिए, जबकि काइल जैमीसन और नाथन स्मिथ को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही और 40.2 ओवर में 185 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से केवल पांच बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। टिम सेफर्ट ने 43 गेंदों में 38 रन बनाए। ब्लेयर टिकनर ने निचले क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों में एक चौके और चार छक्कों के सहारे 34 रन जोड़े। ग्लेन फिलिप्स ने 51 गेंदों में 30 और डेरिल मिचेल ने 41 गेंदों में 28 रन बनाए। जैकब डफी 15 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं विल यंग और हेनरी निकोल्स ने नौ-नौ रन बनाए। टॉम लाथम तीन, कप्तान मिचेल सैंटनर चार, नाथन स्मिथ एक और काइल जैमीसन एक रन बनाकर आउट हुए। भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने चार विकेट लिए, जबकि गुरनूर बरार को तीन विकेट और अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले।

रक्षा खडसे डब्ल्यूएएफ के सर्वोच्च सम्मान मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे को 47वें विश्व आर्मरेसलिंग एवं 28वें विश्व पैरा आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप-2026 के दौरान प्रतिष्ठित ह्यमेडल ऑफ ऑनरह्न से सम्मानित किया गया। यह सम्मान विश्व आर्मरेसलिंग महासंघ (डब्ल्यूएएफ) का सर्वोच्च सम्मान है, जिसे महासंघ के अध्यक्ष असेन हाजिटोडोरोव ने नई दिल्ली स्थित एक होटल में आयोजित चैंपियनशिप के दौरान उन्हें प्रदान किया। केंद्रीय खेल राज्य मंत्री ने 60 से अधिक देशों से आए खिलाड़ियों और अधिकारियों से बातचीत की। सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और पहली बार भारत में विश्व चैंपियनशिप के आयोजन को ह्यएक बहुत बड़ा अवसरह्न बताया। उन्होंने



देशभर में आर्मरेसलिंग को प्रोत्साहित करने और इसके विकास के लिए अपना निरंतर समर्थन देने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। यह सम्मान प्राप्त करने पर रक्षा खडसे ने कहा कि विश्व आर्मरेसलिंग महासंघ से यह सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए गौरव की बात है। मैं भारत में आर्मरेसलिंग को प्रोत्साहित करने और इसके विकास को बढ़ावा देने के लिए अपना समर्थन निरंतर जारी रखूंगी। इस चैंपियनशिप में 60 से अधिक देशों के 1,700 से ज्यादा खिलाड़ी, अधिकारी और समर्थक हिस्सा ले रहे हैं। इसका आयोजन पीपल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा किया जा रहा है, जिसकी अध्यक्षता प्रीति झंगियानी कर रही हैं, जो एशियन आर्मरेसलिंग फेडरेशन की उपाध्यक्ष भी हैं। उनके साथ प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास भी आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह चैंपियनशिप विश्व आर्मरेसलिंग महासंघ की संबद्धता और मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है। चैंपियनशिप का समापन 6 नवंबर को होगा।

चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले किशोर खिलाड़ी बने यामल, एमबाप्पे को छोड़ा पीछा

एजेंसी। बार्सिलोना

बार्सिलोना के युवा फुटबॉलर लामिन यामल ने यूईएफए चैंपियंस लीग में ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की। एस्टन विला के खिलाफ मंगलवार रात खेले गए मुकाबले में गोल दागते ही यामल इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले किशोर खिलाड़ी (20 वर्ष से कम) बन गए। उन्होंने फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। 19 वर्षीय यामल ने कैंप नोउ में खेले गए मुकाबले के सातवें मिनट में एस्टन विला के खिलाफ शानदार गोल किया। चैंपियंस लीग में यह उनका 14वां गोल था। इससे पहले यह रिकॉर्ड एमबापे के नाम था, जिन्होंने किशोर खिलाड़ी रहते



हुए प्रतियोगिता में 13 गोल किए थे। इस मुकाबले में बार्सिलोना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एस्टन विला को 3-0 से हराया। दूसरे हाफ में राफिन्हा ने दो गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। बार्सिलोना वेबसाइट के मुताबिक लामिन यामल लगातार रिकॉर्ड बना रहे हैं। मंगलवार को एस्टन विला के खिलाफ यह फॉरवर्ड खिलाड़ी 20 साल से कम उम्र में चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाला खिलाड़ी बन गया। उनके नाम अब 14 गोल हो गए हैं। उन्होंने किलियन एमबाप्पे का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिन्होंने अपनी किशोरावस्था के दौरान 13 गोल किए थे। लामिन यामल ने चैंपियंस लीग में सिर्फ 37 मैचों में यह आंकड़ा हासिल किया है। खास बात यह है कि वह अभी 20 वर्ष के भी नहीं हुए हैं। उनका 20वां जन्मदिन अगले साल जुलाई में आएगा। ऐसे में उनके पास इस रिकॉर्ड को और बेहतर करने के कई अवसर होंगे। एमबाप्पे अब तक चैंपियंस लीग में कुल 72 गोल कर चुके हैं और प्रतियोगिता के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। हालांकि, किशोर खिलाड़ियों के बीच सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड अब यामल के नाम हो गया है।

महिला टी20 में सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाली प्रेमा रावत को सीएयू सचिव महिम वर्मा ने दी बधाई



एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व उपाध्यक्ष एवं क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) के सचिव महिम वर्मा ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाली भारतीय खिलाड़ी प्रेमा रावत की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि प्रेमा रावत ने जो उपलब्धि हासिल की है, उस पर न सिर्फ उत्तराखंड बल्कि पूरे देश को गर्व है। उत्तराखंड की 24 वर्षीय प्रेमा रावत ने सीनियर वूमेंस टी-20 ट्रॉफी में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से सभी को आकर्षित किया। दो नवंबर को हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में प्रेमा ने महज 14 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा करते हुए महिला टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक जड़ने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने पाकिस्तान की फातिमा सना (15 गेंद में पचासा) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। अपनी इस ऐतिहासिक पारी में उन्होंने 6 चौके और 4 छक्के लगाए। केवल बल्लेबाजी ही नहीं, बल्कि गेंदबाजी में भी उन्होंने 4 ओवर में मात्र 12 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। महिम वर्मा ने प्रेमा को बधाई दते हुए कहा कि 14 गेंदों में रिकॉर्ड अर्धशतक बनाना और गेंद व बल्ले दोनों से कमाल दिखाना उनकी अद्भुत क्षमता और कड़ी मेहनत का नतीजा है। प्रेमा एक बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जो सुदूर क्षेत्र से आकर आज विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ रही हैं। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड हमेशा से ऐसे युवा खिलाड़ियों को तराशने के लिए काम करता रहा है। हाल ही में हुए उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) में उनके शानदार प्रदर्शन से साफ था कि वे बड़े मंच के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि प्रेमा आगे भी इसी तरह नए रिकॉर्ड बनाएंगी और भारतीय टीम के लिए लंबे समय तक शानदार प्रदर्शन करेंगी। उत्तराखंड के एक दूर-दराज और सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से आने वाली प्रेमा की प्रतिभा को निखारने में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड का बहुत बड़ा योगदान रहा है। सीएयू ने प्रेमा की काबिलियत को शुरूआती दिनों में ही पहचाना और उन्हें हर संभव सुविधाएं, आधुनिक कोचिंग और सही मार्गदर्शन प्रदान किया। हाल ही में आयोजित उत्तराखंड प्रीमियर लीग ने भी उनके करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यूपीएल के जरिए मिले शानदार अनुभव और मैच एक्सपोजर के दम पर ही वे आज उत्तराखंड की टीम के लिए ऐसा मैच-विनिंग प्रदर्शन कर पा रही हैं प्रेमा भारत के लिए अब तक सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 7 विकेट भी लिए हैं। इसके अलावा महिला प्रीमियर लीग में वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की ओर से खेलती हैं। मुकाबले की बात करें तो प्रेमा रावत की 50 रन की नाबाद पारी की बदौलत उत्तराखंड की टीम ने 20 ओवरों में सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए थे। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम पूरे ओवर खेलने के बाद सिर्फ आठ विकेट खोकर 98 रन ही बना पाई। इस तरह उत्तराखंड ने यह मैच 89 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया था।

महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान

एजेंसी। नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाली आगामी आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। 10 टीमों के इस टूर्नामेंट में बांग्लादेश की कमान नाहिदा अख्तर के हाथों में होगी। पिछले महीने उन्हें निगार सुल्ताना जोटी की जगह टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया था। कप्तान बनने के बाद नाहिदा के लिए यह पहला बड़ा टूर्नामेंट होगा, जिसमें उनकी नेतृत्व क्षमता की परीक्षा होगी। बांग्लादेश को ग्रुप-बी में पाकिस्तान, थाईलैंड, नीदरलैंड और जिम्बाब्वे के साथ रखा गया है। टूर्नामेंट की शुरूआत 12 नवंबर से होगी और फाइनल 25 नवंबर को होगा। अनुभवी बल्लेबाज सोभाना मोस्तारी को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। वहीं, पूर्व कप्तान निगार सुल्ताना जोटी भी 15 सदस्यीय टीम में शामिल हैं और खिलाड़ी के रूप में अपना योगदान जारी रखेंगी। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार टीम की प्रमुख तेज गेंदबाज मारुफा अख्तर टखने की चोट के कारण इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। उनकी जगह तेज गेंदबाज दिशा बिस्वास को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज साथी रानी और ऑलराउंडर जन्नतुल फिरदुस सुमोना की टीम में वापसी हुई है। बांग्लादेश अपने अभियान की शुरूआत 12 नवंबर को पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। दोनों टीमों के बीच मुकाबला अजमान (यूएई) के करवान क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीमनाहिदा अख्तर (कप्तान), सोभाना मोस्तारी (उपकप्तान), दिलारा अख्तर, शर्मिन अख्तर सुप्ता, शोर्ना अख्तर, दिशा बिस्वास, जुवैरिया फिरदौस, जन्नतुल फर्दूस सुमोना, राबेया खान, फाहिमा खातून, शांजिदा अख्तर मगला, रितु मोनी, साथी रानी, निगार सुल्ताना जोटी और फरीहा इस्लाम त्रिस्ना।

मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों का कार्यक्रम घोषित

एजेंसी। नई दिल्ली

एशियन हॉकी फेडरेशन (एएचएफ) ने मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2026 के मैचों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। टूर्नामेंट का आयोजन 19 से 28 नवंबर तक भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के नए हॉकी स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता में भारत, जापान, चीन, मलेशिया, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया की टीमें खिताब के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगी। यह टूर्नामेंट भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि पिछले महीने जापान में आयोजित एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद यह उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। मेजबान भारत की टीम इस टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन के रूप में हिस्सा लेगी। भारतीय टीम अब तक 2016, 2023 और 2024 में यह खिताब अपने नाम कर चुकी है। ऐसे में टीम की नजर लगातार तीसरी बार चैंपियन बनने और अपने खिताबों की संख्या बढ़ाने पर होगी। टूर्नामेंट राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें सभी छह टीमें एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलेंगी। लीग चरण के बाद अंक तालिका में शीर्ष चार स्थान हासिल करने वाली टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। टूर्नामेंट के पहले दिन 19 नवंबर को चीन और थाईलैंड के



बीच पहला मुकाबला खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरूआत मलेशिया के खिलाफ करेगा। इसी दिन मैच से पहले ओपनिंग सेरेमनी भी होगी। इसके बाद मेजबान भारतीय टीम 21 नवंबर को दक्षिण कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान का सामना करेगी। 20, 23 और 26 नवंबर को विश्राम दिवस (रेस्ट डे) तय किए गए हैं। 27 नवंबर को पांचवें और छठे स्थान के लिए क्लासिफिकेशन मैच होगा, जिसके बाद दोनों सेमीफाइनल खेले जाएंगे। टूर्नामेंट 28 नवंबर को ब्रॉन्ज मेडल मैच और फाइनल के साथ समाप्त होगा, जिसमें पदक जीतने वाली तीन टीमों का फैसला होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, "मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026, एशिया में महिला हॉकी की बढ़ती ताकत का जश्न मनाने का एक शानदार मौका होगा।" उन्होंने आगे कहा, "मुझे खुशी है कि भोपाल छह मजबूत टीमों की मेजबानी करेगा। मुझे उम्मीद है कि हमारी भारतीय टीम एशियाई खेलों में मिली हालिया सफलता को आगे बढ़ाएगी और अपने खिताब का बचाव करेगी। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि इस टूर्नामेंट में एशिया की मजबूत महिला हॉकी टीमें एक साथ नजर आएंगी। एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद यह प्रतियोगिता भारतीय खिलाड़ियों के लिए अपनी लय और आत्मविश्वास को बरकरार रखने का महत्वपूर्ण अवसर होगी। उन्होंने आयोजन के लिए मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग के प्रति आभार जताते हुए कहा कि हॉकी इंडिया भोपाल में सभी भाग लेने वाली टीमों, अधिकारियों और हॉकी प्रशंसकों का स्वागत करने के लिए उत्साहित है।

बालेन्द्र सरकार अपनी ही पार्टी के निदेशों की कर रहे अनदेखी, आंतरिक विवाद में घिरी आरएसपी

एजेंसी। काठमांडू



नेपाल की बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में रही सरकार द्वारा अपनी ही पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के द्वारा दिए गए निदेशों और नीतियों की पालन करने में आनाकानी और अनदेखी करने से सरकार और पार्टी के बीच दूरी बढ़ती हुई दिख रही है। सत्तारूढ़ आरएसपी ने सरकार के सामने कई महत्वपूर्ण विषयों पर बार-बार अपनी चिंताएं रखी हैं और कई बार चेतावनी के साथ निर्देश भी जारी किए हैं। लेकिन पार्टी की इन मांगों और हस्तक्षेपों को बड़े पैमाने पर अनसुना किया गया है। पार्टी ने लोकतांत्रिक मान्यताओं के खिलाफ मानी जाने वाली गतिविधियों पर चिंता जताई है। हालांकि, पीएम शाह ने पार्टी के इन निदेशों की हमेशा ही अनदेखी की है। गत 13 जुलाई को मीडिया संस्थानों, कारोबारी प्रतिष्ठानों और नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष के आवास के सामने वाहन खड़े कर रास्ता बाधित किया गया था। बताया गया कि इस घटना में सरकार से जुड़े लोग शामिल थे। मीडिया संस्थानों के प्रवेश द्वारों पर वाहन खड़े किए जाने की खबरें सामने आने के तुरंत बाद आरएसपी के महासचिव बिपिन आचार्य ने बयान जारी कर सरकार का ध्यान इस मामले की ओर आकर्षित किया। उन्होंने मीडिया संस्थानों के प्रवेश द्वारों पर वाहन खड़े कर रास्ता रोकने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। ऑनलाइन खबर, हिमालय टेलीविजन और कान्तिपुर जैसे बड़े मीडिया संस्थानों के प्रवेश द्वारों पर कथित तौर पर सरकार के करीबी लोगों ने वाहन खड़े किए थे। प्रधानमंत्री शाह के करीबी लोगों ने इस कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि यह पासपोर्ट विभाग के सामने गणेश नेपाली द्वारा आत्मदाह किए जाने के बाद मीडिया संस्थानों की खुले स्थानों पर पार्किंग के समर्थन में अपनाई गई स्थिति के जवाब में किया गया था। प्रधानमंत्री के करीबी लोगों ने जहां रास्ता बाधित करने की कार्रवाई को सही ठहराया, वहीं पार्टी ने इसका विरोध किया। आचार्य ने कहा कि स्वतंत्र और निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की जीवनरेखा है। बयान में कहा गया, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी इसकी रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। इसलिए पार्टी प्रेस को डराने-धमकाने के उद्देश्य से की गई इन और ऐसी किसी भी अन्य कार्रवाई की निंदा करती है। आरएसपी ने कहा कि राज्य के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को निर्भीक होकर काम करने के लिए आवश्यक वातावरण को कमजोर करने के उद्देश्य से की जाने वाली संदिग्ध और अस्पष्ट गतिविधियां लोकतांत्रिक मूल्यों का सीधा उल्लंघन हैं। मीडिया के साथ किए जा रहे व्यवहार पर चिंता जताते हुए आरएसपी ने सरकार से इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया था। बयान में कहा गया, हम नेपाल सरकार, गृह मंत्रालय और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों का गंभीर ध्यान इस ओर आकर्षित करते हैं कि वे मीडिया संस्थानों की भौतिक और मानसिक सुरक्षा सुनिश्चित करें तथा ऐसी संदिग्ध गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति की तत्काल पहचान कर कानून के अनुसार कार्रवाई करें। पार्टी के हस्तक्षेप के बावजूद पीएम बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने इस घटना की जांच करने या जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का कोई स्पष्ट प्रयास नहीं किया। प्रधानमंत्री शाह के मुख्य सलाहकार कुमार बेन और गृह मंत्री सुदन गुरुङ के करीबी लोग भी कथित तौर पर मीडिया संस्थानों के रास्ते रोकने के लिए वाहन खड़े करने में शामिल थे। मीडिया संस्थानों द्वारा वाहन मालिकों की पहचान कर अधिकारियों को जानकारी दिए जाने के बाद भी कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई। पिछले सप्ताह भी यही स्थिति दोहराई गई, जब सुरक्षा कर्मियों ने मीडिया संस्थानों में प्रवेश कर पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार किया। नेपाल प्रेस के पत्रकार विश्वमणि सुबेदी को हिरासत में लिया गया और बाद में रिहा कर दिया गया। पुलिस ने नया पत्रिका के कार्यालय में भी बिना गिरफ्तारी वारंट के उसके एक पत्रकार को हिरासत में लेने के लिए पहुंची थी। 30 अक्टूबर को पुलिस ने मोटिवेट न्यूज के संपादक शोभराज बराल और डीएनए खबर के प्रधान संपादक धीरज बस्नेत को गिरफ्तार किया। इस घटना पर सरकार की प्रतिक्रिया और भी गैरजिम्मेदाराना रही। प्रधानमंत्री सचिवालय ने मामले से शाह को अलग करते हुए कहा कि उन्हें पत्रकारों की गिरफ्तारी की जानकारी नहीं थी। वहीं, पुलिस प्रशासन ने दावा किया कि पत्रकारों को प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश पर हिरासत में लिया गया था।

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेट्स की ऐतिहासिक जीत, संसद के दोनों सदनों में नियंत्रण, राष्ट्रपति ट्रंप ने नतीजों को स्वीकार किया



एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी मतदाताओं ने मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तगड़ा झटका दिया है। मतगणना के नतीजे चौंकाने वाले हैं। सीएनएन और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार डेमोक्रेट्स ने अमेरिका संसद (कांग्रेस) पर फिर नियंत्रण हासिल कर लिया है। कांग्रेस के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) की 425 सीटों के लिए लिए हुए चुनाव में डेमोक्रेट्स ने 224 सीटों पर जीत हासिल की है। रिपब्लिकन को 129 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। अब तक के नतीजों में डेमोक्रेट्स ने बहुमत का आंकड़ा 218 पार कर लिया है। बाकी अधिकांश सीटों पर भी डेमोक्रेट्स उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए हैं। सीएनएन और सीबीएस न्यूज चैनल की चुनाव डेस्क से प्रसारित समाचारों में बताया गया है कि इसके अलावा 100 सदस्यीय सीनेट (उच्च सदन) की 35 सीट और 36 गवर्नर के पदों के नतीजे भी आने लगे हैं। इनमें से 33 सीटों पर नियमित रूप से 6 साल के कार्यकाल के लिए मतदान हुआ है। बाकी की दो सीटें (ओहायो और फ्लोरिडा) विशेष चुनाव के तहत हैं। ये सीटें जेडी वेंस के उपराष्ट्रपति बनने के कारण और मार्को रुबियो के विदेश मंत्री बनने के कारण के दिए गए इस्तीफे से खाली हुई थीं। सीनेट की शेष 65 सीटों पर इस बार चुनाव नहीं हुआ है, क्योंकि अमेरिकी सीनेट के केवल एक-तिहाई सदस्यों के लिए ही हर दो साल में चुनाव कराए जाते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ने रिपब्लिकन गढ़ माने जाने वाले कई राज्यों में जीत दर्ज कर सात सीटों का फायदा हासिल किया। सदन में उनकी संख्या बढ़कर 53 हो गई है। रिपब्लिकन पार्टी की सीट घटकर 42 हो गई है। दोनों समाचार चैनलों की रिपोर्ट के अनुसार, डेमोक्रेट्स ने उन जगहों पर उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है, जहां दो साल पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी ने आसानी से जीत हासिल की थी।

बांग्लादेश की राजधानी में औद्योगिक अशांति, वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन, झड़प, 100 घायल, 40 गिरफ्तार

एजेंसी। ढाका



देश की राजधानी के मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में कपड़ा उद्योग के कर्मचारियों की 30,000 टका न्यूनतम वेतन करने की मांग को लेकर तीन दिन से चल रहा आंदोलन मंगलवार को हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों और पुलिस के बीच दिनभर तीखी झड़पें हुईं। शाम होते-होते धरपकड़ शुरू हो गई। पुलिस का कहना है कि इन झड़पों में 100 लोग घायल हुए हैं। घायलों में पुलिस कर्मचारी भी हैं। अशांति फैलाने के आरोप में 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, कपड़ा उद्योग कर्मचारियों और मजदूरों ने सरकार के आंदोलन के पीछे किसी राजनीतिक उकसावे या बड़ी साजिश के आरोपों को खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि किसी बाहरी प्रभाव के कारण नहीं, बल्कि बढ़ती महंगाई के चलते वे विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हुए हैं। पुलिस ने अशांति भड़काने के आरोप में देररात 40 लोगों को गिरफ्तार करने की जानकारी दी। पुलिस ने दावा किया है कि प्रदर्शन में बाहरी लोग शामिल हो गए हैं। प्रदर्शनकारी शोएब इस्लाम ने कहा कि तोड़फोड़ या हिंसा में हाथ है। मजदूरों की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा, हम मजदूर किसी भी तरह की तोड़फोड़ में शामिल नहीं हैं। अगर कोई ऐसा करता है, तो यह पुलिस का काम है कि वह इस पर कार्रवाई करे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर बिना किसी वजह के हमला किया है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनके साथियों को मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया जाता है, तो मजदूर इसका विरोध करेंगे। एक अन्य मजदूर शेफली बेगम ने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि इन प्रदर्शनों के पीछे बाहरी समूहों का हाथ है।

पाकिस्तान पर अफगानिस्तान में आतंकियों की घुसपैठ और अस्थिरता फैलाने का आरोप

एजेंसी। प्रीटोरिया

अफगानिस्तान में तालिबान प्रशासन ने पाकिस्तान पर आतंकवादी समूहों को समर्थन और प्रशिक्षण देने तथा सीमा पार से लड़ाकों की घुसपैठ कराकर देश में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया है। दक्षिण अफ्रीका के समाचार पोर्टल ह्यइंडिपेंडेंट ऑनलाइनह्न (आईओएल) की एक रिपोर्ट में इन आरोपों का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत, ईरान और कई पश्चिमी देश भी पहले पाकिस्तान में सक्रिय तत्वों पर आतंकवादी संगठनों को समर्थन देने के आरोप लगा चुके हैं। तालिबान के मुताबिक अफगान सुरक्षा बलों ने नूरिस्तान प्रांत के कामदेश जिले में चलाए गए अभियान के दौरान 41 आतंकवादियों को मार गिराया और 62 अन्य को गिरफ्तार किया। तालिबान ने दावा किया कि ये लड़ाके इस्लामिक स्टेट से जुड़े समूहों के सदस्य थे और उन्हें पाकिस्तानी अधिकारियों का समर्थन हासिल था। तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने 29 सितंबर को जारी बयान में कहा था कि कामदेश जिले में सशस्त्र विरोधियों के खिलाफ अभियान पूरा कर लिया गया है। मंत्रालय के अनुसार ये लड़ाके पाकिस्तान की सीमा पार से पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के समर्थन से अफगानिस्तान में दाखिल हुए थे। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने घुसपैठ की इस कोशिश को पाकिस्तानी सेना के ह्यप्रत्यक्ष मार्गदर्शन और सहयोगह्न से अंजाम देना बताया। तालिबान ने पाकिस्तान पर अपनी जमीन पर लड़ाकों की भर्ती करने और उन्हें हथियार मुहैया कराने का भी आरोप लगाया है। उसका कहना है कि पाकिस्तान की ऐसी गतिविधियां अफगानिस्तान में हिंसा और अस्थिरता को बढ़ावा दे रही हैं। रिपोर्ट में पाकिस्तान पर पहले भी हक्कानी नेटवर्क, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों को संरक्षण देने के आरोपों का जिक्र किया गया है।

नेपाल आये भारतीय विदेश सचिव ने की द्विपक्षीय वार्ता, पीएम बालेन्द्र शाह के भारत भ्रमण के एजेंडे पर हुई चर्चा

एजेंसी। काठमांडू



नेपाल दौरे पर आये भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपने समकक्ष अमृत राई से द्विपक्षीय वार्ता की है। इस वार्ता के दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के भारत भ्रमण के एजेंडे पर चर्चा हुई है। भारतीय विदेश सचिव ने कहा कि बुधवार को हुई बातचीत का मुख्य केंद्र प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के संदर्भ में आगे बढ़ाई जाने वाली विभिन्न महत्वपूर्ण पहलें होंगी। इसके लिए विस्तृत कार्यसूची तैयार की गई है और इस पर नेपाली विदेश सचिव के साथ चर्चा करने के लिए वे उत्सुक हैं।भारतीय विदेश सचिव ने कहा है कि भोटेकोशी बाढ़ से क्षतिग्रस्त नेपाल के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और पुनर्वास के लिए भारत सहयोग करने को तैयार है। बुधवार को नेपाल की यात्रा के दौरान विदेश सचिव अमृत बहादुर राय सहित नेपाली प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बातचीत में मिस्री ने कहा कि बाढ़ से नेपाल के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है और भारत उसके पुनर्निर्माण में मदद करने का इच्छुक है। मिस्री ने कहा कि लंबे समय से लंबित मुद्दों को सुलझाने के साथ-साथ दोनों पक्षों की ओर से शुरू की गई महत्वपूर्ण पहलों के क्रियान्वयन में भी प्रगति हुई है। इसके लिए दोनों पक्षों के अधिकारी प्रशंसा और बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के बीच एक विशिष्ट संबंध है और दोनों देश सुख-दुख, हर परिस्थिति में एक-दूसरे के साझेदार रहे हैं। मिस्री ने कहा कि भोटेकोशी बाढ़ के बाद उत्पन्न कठिन परिस्थितियों में दोनों देशों के संबंधों को व्यवहार में प्रदर्शित करने का अवसर मिला। भारत ने नेपाल को सहायता उपलब्ध कराई है, लेकिन इस आपदा से नेपाल के बुनियादी ढांचे को हुए भारी नुकसान और तबाही को भी भारत समझता है। उन्होंने कहा कि नेपाल में पुनर्निर्माण और पुनर्वास की प्रक्रिया आगे बढ़ने पर भारत आवश्यक सहायता और परियोजनाओं से जुड़े प्रस्तावों पर विचार करने के लिए तैयार है। मिस्री ने कहा कि इस विषय पर प्रारंभिक चर्चा हो चुकी है। नेपाल के नेतृत्व के साथ इस बारे में विस्तृत जानकारी के साथ आगे चर्चा करने के लिए हम इच्छुक हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच विभिन्न महत्वपूर्ण पहलों और सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए अधिकारियों की ओर से किए गए प्रयासों की सराहना की और भविष्य में भी सहयोग जारी रहने का विश्वास व्यक्त किया।

नेपाल में गुजरात के नंबर वाली मर्सिडीज कार लावारिस हालत में मिली



एजेंसी। काठमांडू

भारत से सटी नेपाली सीमा क्षेत्र रुपन्देही में गुजरात के नंबर प्लेट वाली भारतीय मर्सिडीज कार बरामद, लावारिस हालत में बरामद की गई है। रुपन्देही पुलिस ने भारतीय नंबर प्लेट वाली मर्सिडीज कार बरामद की है। जिला पुलिस कार्यालय रुपन्देही के अनुसार, मंगलवार को सिद्धार्थनगर नगरपालिका स्थित बसडिलवा से भारतीय नंबर प्लेट वाली कार बरामद की गई। कार का पंजीकरण नंबर जीजे 21 सीबी 6001 है। पुलिस ने बताया कि कार लावारिस हालत में मिली थी। पुलिस निरीक्षक चंद्रकिशोर शाह के अनुसार, एक खाली जमीन पर लंबे समय से कार लावारिस हालत में खड़ी होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक, बरामद कार की अनुमानित कीमत 90 लाख रुपये है। कार को आवश्यक जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए भैरहवा स्थित बेलहिया सीमा शुल्क कार्यालय भेज दिया गया है।

भारत से दो अरब डॉलर से अधिक की आर्थिक सहायता मांगेगा नेपाल, विदेश सचिव की यात्रा के दौरान होगी चर्चा



एजेंसी। काठमांडू

नेपाल, भारत से करीब 3 लाख करोड़ रुपये (2 अरब अमेरिकी डॉलर) का रियायती ऋण और अनुदान मांगने जा रहा है। आज से शुरू होने वाले भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री की नेपाल यात्रा के दौरान इस प्रस्ताव को रखा जाएगा। 23-24 नवंबर को होने वाली प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की भारत यात्रा के दौरान नेपाल आर्थिक सहायता पैकेज की मांग करने की तैयारी में है। इस भ्रमण की तैयारी को लेकर आज से दो दिनों के नेपाल दौरे पर विदेश सचिव मिस्री नेपाल पहुंच रहे हैं ताकि भ्रमण के एजेंडे को अंतिम रूप दिया जा सके। नेपाल के विदेश मंत्रालय के तरफ से 1 अरब अमेरिकी डॉलर का रियायती ऋण, 50 करोड़ डॉलर का अनुदान और भोटेकोशी बाढ़ से हुए नुकसान के पुनर्निर्माण के लिए 50 करोड़ डॉलर सहित 2 अरब डॉलर से अधिक की आर्थिक सहायता मांगी जाएगी। विदेश और वित्त मंत्रालय के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इस विषय पर प्रारंभिक चर्चा होगी। प्रधानमंत्री शाह की यात्रा की तैयारियों के बीच भारत के नवनियुक्त राजदूत सुधाकर दलेला मंगलवार को काठमांडू पहुंच चुके हैं। वित्तमंत्री स्वर्णिम वाग्ले की अक्टूबर में हुई भारत यात्रा के दौरान सहायता पैकेज से संबंधित प्रारंभिक प्रस्ताव पेश किया गया था। हालांकि, भारतीय सहायता के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं और उनके लिए आवश्यक राशि का विस्तृत विवरण मिस्री की यात्रा के दौरान भारत को सौंपने की तैयारी है। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान पैकेज पर बातचीत पूरी होने और इसकी घोषणा होने की संभावना है। नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई ने कहा, विभिन्न सरकारी निकायों से परामर्श के बाद नेपाल ने जो प्रस्ताव तैयार किया है, उसके अनुसार नई दिल्ली से 1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का रियायती ऋण मांगा जाएगा। इस राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से देश के भीतर विभिन्न ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में करने की योजना है। विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने मंगलवार को विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों की बैठक बुलाकर मिस्री की यात्रा के दौरान भारत के समक्ष पेश की जाने वाली परियोजनाओं की सूची पर चर्चा की थी। मंत्रालय के अनुसार, बैठक में विभिन्न मंत्रालयों के एजेंडे को एकीकृत करने के साथ ही भारत की सहायता से नेपाल में संचालित परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा भी की गई। इसके अलावा, रियायती ऋण और अनुदान के माध्यम से भारत से सहायता मांगने वाली नई परियोजनाओं, खनाल की पिछले जेठ में हुई भारत यात्रा, वाग्ले की असोज में हुई यात्रा और उसके बाद दोनों देशों के बीच हुई बैठकों में उठाए गए मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मिस्री अपने नेपाली समकक्ष और विदेश सचिव अमृत बहादुर राई के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता भी करेंगे। इस दौरान राई भारत के विचारार्थ नेपाल की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं की सूची औपचारिक रूप से मिस्री को सौंपेंगे। रियायती ऋण के अलावा नेपाल सिद्धार्थ राजमार्ग के उन्नयन के लिए भारत से 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त अनुदान मांगने की तैयारी में है। भारत के सुनौली सीमा नाके को पोखरा से जोड़ने वाले इस राजमार्ग के उन्नयन के लिए विदेश मंत्री खनाल ने पिछले जेठ में भारत यात्रा के दौरान भी इतनी ही राशि का अनुदान देने का आग्रह किया था। इसी तरह, पिछले 26 अगस्त को भोटेकोशी में आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और पुनर्वास के लिए भी 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त सहायता मांगी जाएगी। इस राशि को भी प्रस्तावित आर्थिक सहायता पैकेज में शामिल किया गया है।

हाउस में डेमोक्रेटिक नेता ने 'अमेरिका की जीत' का ऐलान किया, व्हाइट हाउस ने कहा, ऐसा हुआ तो बहुत पछतावा करेंगे मतदाता

एजेंसी। न्यूयॉर्क/वाशिंगटन

अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में डेमोक्रेटिक अल्पमत के नेता हकीम जेफरीज ने 'अमेरिका की जीत' का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद आए अनुमानों से पता चलता है कि कांग्रेस के निचले सदन पर डेमोक्रेट्स का नियंत्रण हो जाएगा। हाउस में डेमोक्रेट्स के नियंत्रण की खबरों के बीच व्हाइट हाउस ने कहा कि ऐसा हुआ तो डेमोक्रेट्स को वोट देने वाले मतदाता पछतावा करेंगे। जेफरीज ने एक्स पर कहा, "अमेरिका की जीत!" विश्लेषणात्मक सेवा 'डिसीजन डेस्क एचक्यू' और ब्रॉडकास्टर सीएनएन व एनबीसी के अनुमानों के अनुसार, कांग्रेस चुनावों के नतीजों के आधार पर अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स पर डेमोक्रेट्स का नियंत्रण हो जाएगा। फिलहाल, दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी के पास मामूली बहुमत है। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में रिपब्लिकन के पास 218 सीटें हैं, जबकि डेमोक्रेट्स के पास 214 सीटें हैं। वहीं सीनेट में रिपब्लिकन के पास 53 सीटें हैं और डेमोक्रेट्स के पास 47 सीटें हैं। इस बीच व्हाइट हाउस ने बताया कि जिन अमेरिकियों ने डेमोक्रेट्स को वोट दिया है, उन्हें अपने इस फैसले पर पछतावा होगा। ऐसा तब होगा जब ईरान के साथ चल रहा विवाद सुलझ जाएगा और पेट्रोल की कीमतें कम हो जाएंगी, लेकिन उनके पास अभी भी कट्टर उदारवादी डेमोक्रेट्स की सूची ही रह जाएगी। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया, "आज जिन लोगों ने डेमोक्रेट्स को वोट दिया है, उन्हें बाद में बहुत पछतावा होगा। जब ईरान विवाद सुलझने के बाद पेट्रोल की कीमतें तेजी से नीचे आएंगी, तब उन्हें एहसास होगा कि वे कट्टर उदारवादी डेमोक्रेट्स के साथ फंस गए हैं। यह टिप्पणी अमेरिकी विश्लेषक फर्म 'डिसीजन डेस्क एचक्यू' के उस अनुमान के बीच आई है, जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा पर डेमोक्रेट्स का नियंत्रण हो जाएगा। तीन नवंबर को संयुक्त राज्य अमेरिका में मध्यावधि कांग्रेसनल चुनाव हुए, जिसमें अमेरिकियों ने प्रतिनिधि सभा के सभी 435 सदस्यों और 35 सीनेटरों के लिए वोट डाला।

फेफड़ों को करना है मजबूत? रोज खाएं ये 5 चीजें, बढ़ते प्रदूषण में लंग्स रहेगा सुरक्षित





एजेंसी। नई दिल्ली

अगर आप अपने फेफड़ों को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो मास्क पहनने के साथ-साथ खानपान पर भी ध्यान दें. यहां हम ऐसे कुछ खाद्य पदार्थों के बारे में बताएंगे, जिससे लंग्स को सुरक्षित रखा जा सकता है.इन दिनों घर से बाहर निकलते ही चारों ओर स्मोग देखने को मिलता है. मुख्य रूप से दिल्ली-एनसीआर का इलाका काफी ज्यादा दूषित एरिया में से एक है. ऐसे में अगर आप इस दौरान घर से बाहर निकलते हैं, तो शरीर कोई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. इसमें फेफड़ों से जुड़ी परेशानी भी शामिल है. हवा में मौजूद पीएम 2.5 और अन्य हानिकारक कण आपके लंग्स में सीधे पहुंचकर सांस से जुड़ी परेशानियों का खतरा बढ़ा सकते हैं. ऐसे में घर से मास्क पहनकर निकलना काफी नहीं होता है, बल्कि समग्र स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होता है. जिसमें खानपान का ख्याल रखना बहुत ही जरूरी है. अगर आप सही डाइट लेते हैं, तो इससे आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होती है, जो लंग्स को सुरक्षित रखने में भी प्रभावी हो सकता है. यहां डाइट मंत्रा क्लीनिक की डायटीशियन कामिनी कुमारी से जानते हैं। अगर आप लंग्स को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हल्दी का सेवन करना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है. हल्दी में मौजूद करक्यूमिन एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है. ये शरीर की सूजन को कम करने और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से सुरक्षित रखने में मददगार साबित हो सकता है. इन दिनों बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए आप अपने आहार में नियमित रूप से हल्दी वाला दूध जरूर शामिल करें. संतरा, मौसमी, अमरूद, कीवी और आंवला जैसे फल विटामिन-सी के काफी अच्छे सोर्स हैं. ये फेफड़ों को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं. डायटीशियन का कहना है कि नियमित रूप से विटामिन-सी युक्त फल खाने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और सांस से जुड़े इंफेक्शन का खतरा कम हो सकता है. बढ़ते प्रदूषण की वजह से सांस से जुड़ी परेशानियों को खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है. अगर आप इस सीजन में खुद को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो अदरक का सेवन करें. अदरक का सेवन आप किसी भी रूप में कर सकते हैं. इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण आपके लंग्स में होने वाली सूजन को कम कर सकता है. साथ ही गले में होने वाली दर्द और खराश से भी आराम दिला सकता है। दूषित हवा से अपने लंग्स को सुरक्षित रखने के लिए आप अपने आहार में हरी पत्तेदार सब्जियों को जरूर शामिल हैं. मार्केट में इन दिनों मिलने वाली पालक, मेथी, सरसों का साग कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं. वहीं, इसमें कई जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं. ये हमारे शरीर को डिटॉक्स करके फेफड़ों को सुरक्षित रखने में प्रभावी हो सकते हैं. अगर आप इन्हें नियमित रूप से अपने डाइट में शामिल करते हैं, तो इससे आपको काफी हद तक लाभ मिल सकता है. फेफड़ों में होने वाली सूजन और कमजोर इम्यूनिटी को अगर आप बूस्ट करना चाहते हैं, तो अखरोट और बादाम जैसे ड्राईफ्रूट्स आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं. इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर रूप से होता है, जो फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में प्रभावी हो सकता है. आप इन दिनों रोजाना 1 मुट्ठी करीब इसे अपने आहार में जोड़ सकते हैं.

फेफड़ों को सुरक्षित रखे हल्दी

अगर आप लंग्स को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हल्दी का सेवन करना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है. हल्दी में मौजूद करक्यूमिन एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है. ये शरीर की सूजन को कम करने और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से सुरक्षित रखने में मददगार साबित हो सकता है. इन दिनों बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए आप अपने आहार में नियमित रूप से हल्दी वाला दूध जरूर शामिल करें.

रोजाना खाएं विटामिन-सी से भरपूर फल

संतरा, मौसमी, अमरूद, कीवी और आंवला जैसे फल विटामिन-सी के काफी अच्छे सोर्स हैं. ये फेफड़ों को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं. डायटीशियन का कहना है कि नियमित रूप से विटामिन-सी युक्त फल खाने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और सांस से जुड़े इंफेक्शन का खतरा कम हो सकता है.

अदरक सांस से जुड़ी परेशानियों में है फायदेमंद

बढ़ते प्रदूषण की वजह से सांस से जुड़ी परेशानियों को खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है. अगर आप इस सीजन में खुद को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो अदरक का सेवन करें. अदरक का सेवन आप किसी भी रूप में कर सकते हैं. इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण आपके लंग्स में होने वाली सूजन को कम कर सकता है. साथ ही गले में होने वाली दर्द और खराश से भी आराम दिला सकता है।

खाएं हरी पत्तेदार सब्जियां

दूषित हवा से अपने लंग्स को सुरक्षित रखने के लिए आप अपने आहार में हरी पत्तेदार सब्जियों को जरूर शामिल हैं. मार्केट में इन दिनों मिलने वाली पालक, मेथी, सरसों का साग कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं. वहीं, इसमें कई जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं. ये हमारे शरीर को डिटॉक्स करके फेफड़ों को सुरक्षित रखने में प्रभावी हो सकते हैं. अगर आप इन्हें नियमित रूप से अपने डाइट में शामिल करते हैं, तो इससे आपको काफी हद तक लाभ मिल सकता है.

अखरोट और बादाम है हेल्दी

फेफड़ों में होने वाली सूजन और कमजोर इम्यूनिटी को अगर आप बूस्ट करना चाहते हैं, तो अखरोट और बादाम जैसे ड्राईफ्रूट्स आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं. इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर रूप से होता है, जो फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में प्रभावी हो सकता है. आप इन दिनों रोजाना 1 मुट्ठी करीब इसे अपने आहार में जोड़ सकते हैं.

